

# বৰ্ণবোধ।

#### প্রথমভাগ।

औरवनीमाधव मान कर्कृक अनीको

#### কলিকাতা

षाशैबीदलेला ल्टनंत्र ३० नवत वालिटक

**জীযুক্ত বেণীম**াধর দের

विमात्रज्ञ यदक्ष मुक्तांकिछ।

मकाका ३१४० ।

# সূচীপত্র।

প্রকরণ	नुका।
স্ত্র কিছা অচ্বণ	
वाक्षम किथा इकवर्ष	>
मध्युक इलकर्न	3
अववर्ग मः स्याका कृष्टित छेमा इत्र	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
নাক্ষেতিক যুক্ত কর	
শাস্ত্রেতিক চিহ্ন	
अत नाक्षमपूर्व प्राप्तत मनाः	
इलवर्ष खामात समा । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	, <del>'</del>
प्रमुक काकत मकाः	
प्राक्ति होक्तत अक्षाः	
THE STATE	
不是	
स्ति का कत अस्ति ****	
हिंदुरका निस्तिः	
কুষ্ণ চতুরকার শকাং ···.	
बद्धार । इतकत नकाः	ini w
अत्रसूक अकाकत नकाः	**** **
बेडयुक यसका मकाः ।।।।	
পুঁজিবার পাঠ ০০০ ০০০	
A PARTY AND A STATE OF THE STAT	The state of

প্রকরণ	পুৰ	611
त्रत ६ श्वतूक भक्ताः	2	80 /
बङ्गाहाः ६ विनर्गयुक्त मकाः		
ৰাছৰ যুক্তৰণ হাকর শহাঃ · · · · ·		
रुत <b>धर</b> ् त्रुतयुक्त ह <b>जू</b> तकत मकाः		¢τ
इल जवः श्रतयुक्त शक्षांकत नकाः		62.
१ल अवः अवयुक्त रुक्तमत् भेकाः		
উপাধি ও পদ্ধতির সহিত মন্তব্যের নাম -		
त्रश्या वर्णिः श्रह	***	20
कालिमिनेश		
প্রচলিত সংখ্যালাচক শব্দের নাম · · · ·		34
्राविकार मार्क वर्षी वर्षा वर्षा वर्षा		
मञ्जूषा में भूक्ष्मिल व्यापन व्यापन व्यापन व्यापन		bb
ভাষার এক প্রদৈশিক সঙ্কেত · · · · · · ·		::a
⊶क्कृत्रहरू ०००० ०००० ०००० ००००००००००००००००००००		300
प्कांब्रट्डम •••• ••••	• • •	202
मकात्रदान गण्य गण्य गण्य गण्य	• : •	300
वकांत्रहरू		bei
नक्ति उन्हार पार्टिक विकास कार्या विकास कार्या विकास कार्या विकास कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या का	1 9 2	300

#### বিজ্ঞাপন।

বাসক্দিগের বর্ণ পরিচয় হইলে, শব্দ সকলের বর্ণযোআনা বানান ও ফলাভাসে করাণ অভাবিশাক বেহেছু এই
সকলের অভাসি বাতিরেকে কখন লিখন ও পঠনের পীটুভা
হয় না এবং শব্দাপের ভাবেও অনুর্ত্তি পায় না, ষেমন দপ্তা
পকাবাদি গকল নফ সমুদ্যাপবাধক ও তালবা শকারাদি
শক্ষ শব্দ গঞ্জাগবোধক এবং দল্লা নকারান্ত বন শব্দ অর্থাবাচক ও মুর্লনা ৭৮ রিছি বণ শব্দ দনিবোধক, এইরপে
আকার নকার ও পকারাদি ভেদে শব্দ সকল বিভিন্ন হইয়া
ভাবার্থ ভাসমান হয়, অভগ্রব এই সকল শব্দ জ্ঞাপন হইলে
কবং এই এই বর্ণ সংগোজনে এই এই শব্দ নিম্পান হয়,
অন্যাক্ষরে হয় না ইভাদি বিষয়ে অভাসিবশভ্য কিঞ্জিৎ,
গ্রানোভারে হয় না ইভাদি বিষয়ে অভাসিবশভ্য কিঞ্জিৎ,
গ্রানোভারে হয় না ইভাদি বিষয়ে অভাসিবশভ্য কিঞ্জিৎ,
গ্রানোভার হয় না ইভাদি বিষয়ে অভাসিবশভ্য কিঞ্জিৎ,
গ্রানোভার হয় না ইভাদি বিষয়ে অভাসিবশভ্য কিঞ্জিৎ,
গ্রানোভার হার কিবলৈ এবং বালকেরাও অণপারানে এ সকল

বানক নিগের প্রথম শিক্ষার্থ প্রথমোপধার্মী যে সকল
পুজ্ঞ প্রচানত আছে ভালাতে নাশক দিগের শন্ধ ও বর্ণমালনাতি শিক্ষা সমাক্রপে সম্পাদন হইতে পারে না
খেলেণ্ ঐ কসল পুস্তকে অতি লঘু ও অত্যাপে শন্ধ সমালি
তি ওলভাবে বালক দিগের সুশিক্ষা হওয়া কোন প্রকারে
স্থান নাহে, অভগ্র এই সকল বিবেচনায় এবং বন্ধু সকলের
বিশেষ অন্তরাধে 'বর্ণবোধন নামে এই পুস্তক প্রস্তুত করিশাষ্ট্য এইংল সমুল্য প্রাম্ন সকল বোধ করিব।

श्चीरवशीभांधव मान।

कनिकांछा। उन्हें स्थासिन मन ३२७७ मांग्री.

(4)	ষিপ্ৰ।	

<b>অশু</b> দ্ধ	শুদ্	পত্ৰান্থ
গঢ়	शृष्	20
નથ	সূত্র	•
হ্ড	<b>रू</b> फ	\$8
इंड	<b>মৃত</b>	ð
পোচ	८भूर	3.8
<b>उ</b> ंबर-	<b>खे</b> यक	20
वानन्	वानान्	२र
শালক	শাধাক ,	*8
<b>म</b> ्भडेम	नश्चिन	4€
বিচারক	বিচারক	< 5
प्रवाक	যুবর†জ	ওহ
<b>कश्लम्</b> यून	ক্মলনয়ন)	89
ÁS	शृक्षं	89
भूक्न।	मुर्फ्ट ना	<b>9</b>
দ্বাকঃশকা;	জাক্ষরশব্দঃ	39
নেকু	<u>्र</u> ाष्ट्	<b>∂</b>
<b>কল্</b> গত	কুন্দুগত	q o
্মক্ক <b>ন্দ</b>	্ৰেচ্ছকন্দ	¢5
ঘটেশ্বর	<b>য</b> েটশ্বর	<b>tiv</b>

#### শুদ্ধিপত্ৰ।

<b>ম'ছু</b> র	বন্ধুর	৬১
रेककुर्श्वनाथ	<b>देवकुश्रे</b> नाथ	'કર
अस्ति छ।	অমাবন্তা	18
- <b>N</b> O)	মৰ্ত্য	9.5
इस्टन	<b>च्रह्म</b>	<b>b</b> c
বপাশা	বিপাশা	ð
अम	অমু	۶.,
<b>मह्</b> रवाक	मश्दलांक	44
পৃতিপত্তি	পিতৃপতি	<b>b</b> -3
क्तिक्	कान(क्रश्र)	\$2
. <b>56</b> 6 ml	ध्तःश	20
মেচ্ছজাতি	<i>ानु</i> क् <b>वा</b> ि	'৯৬
रेता जी	<b>ह</b> ेश <b>की</b>	44
রুখ্যোপ।ধ্যায়	মুখোপাধ্যার"	٠
বাবাৎ	বাবৎ	À
<b>শ</b> ন্ত	শ্	>09
প্রদিশর	প্রতিসর	>==
পরাসর	পরাসন	à
উল্লাস	जिनान '	*

## वर्गाना ।

यत किया छात् वर्ग।

ण जा हे जे डे डे अ अ रे के अ

## ( २ ] ताळ्ना क्वा क्वा क्वा

[ \* ]

गःयुक्त इत वर्ग।

अ व्य एए.। क के के से से। के श 13 T 8 छ न क्ष 27 म्का सा स श्य त अन ङ एक् उका।

[ 8 ] मध्युक रत दर्व।

事 型 府 图 图 1 केट के खे के खा के के क का उड़ क क छ। म्मा मा व कि स्मा श त स स न व्य केन के किए।

[ 4 ]

# স্বরবর্গু সংযোগাক্ষতির উদাহর

श्वरू वन	সংযোগা <b>ক্ত</b>	সংযুক্তবৰ্ণ
<u>ৰা</u>	†	*
<b>3</b>	f ·	Ta
<b>5</b>		4
<b>উ</b>	ă,	<b>₹</b>
T	٤	₹
*	<b>*</b>	<b>₹</b>
\$ª	*	₹.
5	eg.	<b>4.</b> 5
1,	**	<b>₹</b> ₹
Q	6	(75)
À	रे	হৈক
હ	61	কে
3	fo	কৌ
'অং	e q	* **
ত্য়ে %		•

#### [ 9 ]

যদি হ্রস্বউকার গর শ ছ এই সকল বর্ণের সহিত সংযোগ হয় তাহা হইলে (গুরু শু ছ') এই রূপ রূপান্তর হইয়া থাকে, এবং ক কিয়া ত্রুনরের সহিত যুক্ত হইলে কখন কখন (ফু ছ) এরপও হয়। দীঘ উকার রকারের সহিত যুক্ত হইলে (র) এই রূপাহয়। গদি ঋকার হকারের সহিত যুক্ত হয় তাহা হইলে (হু) এইরূপাহয়।

য বংশর সংযোগাক্তি (j) এই ৰূপ যথা বাকা কাব্যাদি। এবং রকার কোন বর্ণের সহিত যুক্ত হইলে (') এবং (ৣ) এই ছুই প্রকার হয় নরকার বর্ণের পূর্কে থাকিলে (') রেফ হয় এবং পরে থাকিলে (ৣ) রফলা হয় রেফ বর্ণের মস্তকে যায় আর রকলা বর্ণের নিম্ন প্রদেশে থাকে যেমত নির্ভিয় রহজ্ঞ ইত্যাদি।

হলবর্ণ মধ্যে যার লাব নাম এবং স্বরবর্ণ মধ্যে ঋ ৯ এই জাতের হলবর্গের সহিত যুক্ত হইলে ফলা সংজ্ঞা হয়। অবং ঋ৯৯ ভিনা স্বরবর্ণ হলবর্ণের সহিত যুক্ত

#### [,4]

#### সাঙ্কেতিক যুক্তাকর।

क्छ-छ, कु-क, कम-क, ग्य-ब, **छ्क-छ,** छ्श-क, क्छ-छ, छ ह-छ, हेहे-छे, ग्ए-छ, **ত্ত-**छ, रूथ-थ, তু-छ, खु-छ, म्य-म्न, न्थ-छ, न्य-म, जु-छ, य्ग-स, इ-क, ह्म-म, हु-क।

#### সাক্ষেতিক চিহ্ন।

(৫) খণ্ডতকার, (২) লুগু অকার, (্) হসন্ত (ঁ) চন্দ্রবিন্দু, (বঁ) শুণ্ডাক্ষতিন (৺) ঈশ্বরবোধক।

#### স্বর বাঞ্জন যুক্ত দ্বাক্ষর শব্দাঃ।

তা গ	<b>অঘ</b>	ভাৰ	অ্থ	অপ	অ্র
A 3	জাদ	खांध	अंग	অান	অ ্র
আল	আস	₹ <b>ট</b>	ইত	<b>इ</b> न	\$ 5
<b>इ</b> य	<b>इ</b> ं	3 m	উক	্ উপ	फेंक
উজ	উট	উঠ	উত	छेम '	रे छ
বৃত	<b>উ</b> उ	উন	উঘ	উহ	319
地で	43	যক্ত	এৰ	88	ેં કહ

[ + ]

# रुलवर्ग खाक्तत भारतः। 🤸

•	•				
कें ह	कड़े	कर्र	কণ	কত	क्ष
কর	कल	কষ	ধগু,	থজ	খট
খত .	খর	থল	थन	SITE	গজ
গড়	গ্ৰ	গত	अम	গ্ৰ	গয়
প্ৰ	গল	चाउ	घन	চক-	वंद
TE	চয়	চর	টল	ছক	ছগ
\$ 57	इप	इल	सहि	क्रम	জন
39	জব	क्रम्	জর	জল	क्छे
वाड	ঝর	क्षय	छेक	<b>छ</b> ेल	ठेक
350	ডম	ডর	<b>ট</b> ক	391	<b>ज्ल</b>
তট -	ভজ	ন্তত	34	ভাই	ভুম
ভর	'হল	খর	मक	ূৰৰ	គដ
দ্য	দর	नटन्	IFM:	म्र	ं भन्ने
ধড়	ধন	श् <b>व</b>	धग	পর	नश
<b>स्</b>	न हे	ন্ত	नथ	नम	নব
<b>4</b> 50 ·	सन	-পচ	পট	क्रील	পথ
श्म .	প্ৰ	পর	প্ল	मंक	क्
्राह्य विकास	दक	ব্চ'	বট	বড়	বণ
				-	

বৃদ	বধ	বন	বপ "	ব্ম	43
बन	বশ '	বহ	ভট	ডভু	छव
31	ভর	মখ	মহ	মঠ	মত
मम	मन	ময়	ं मन्	मङ्	स क
यक	যব	্ৰম	রগ	রণ	রভ
द्रथ	त्रम	রব	निष्ठ	লব	লয়
শক	अर्थ	न्त्	শত	শ্ব	श्री
শর	শল	solve)	ষট্	স্ট	সম
সহ ্	হত _	<b>र</b> श	হর	रुग।	



## अत युक्त शक्तत भक्ताः।

कार	কাত	কাছ	কাজ	कार
क्षान	কাত	কাপ	কাম	কায়
কার	কাল	কাশ	খাক	थांहे
ধাত	शाम	थान	থাপ	থাম
थांल	थान	গাছ	গাড়	গাচ
পাদ	গাম	शान	গাল	যাত
ষাত	বার	षाम	DIA	बाव
519	<b>ह</b> †भ	চার	চাৰ	<b>344</b>

হাপ	<u>হাট</u>	ছাত	EIN	हांश
, হার	शह.	কাড়	জাত	कान
S. 64	कांग	জার	काल	वाह
कातः,	ू है। क	छे।छ	<b>है।</b> न	वाह
ठीम	*ঠার	313	ডাক	ভার
<b>हो</b> श	তাক	ঢাল	ভাক	তাড়
় ভাত	्छ म	তাপ	তার	ভাগ
তাস	থাক	থান	খাম	থাল
न्त्र	माड	नाम	मार्व	माम
नात्र.	. नांत	नान	يحلف	थान
ধান	ধাম	ধায়	ধার	নাক
नान	न्।	नाष्ठ	<b>না</b> থ	मान
संभ	भाष्	- नात	गंग	- नाग
পাক	भा्थ ं	शांग	भाव	4178
- Mitel	পাত	পাথ	शांप ं	लान
, भार	পাম	: পার	शोल	57 16
ফাঁড়	काम	कँ न	কাৰ	বাক
वाह	ই জি	বাট	বাভূ	বাচ
वान	বাত	বাদ	राथ .	বাপ
বাম	বার	বাস	বাহ	ভাঁত

		[ 25 ]		
ভাগ	ভাষ	ভাগ	ভাত	जार
-ভার	ভার	ভাল	ভাস	माध
भाग	মাছ	• भाकं	মাঝ	माठ
মাভ	মা্থ	মাদ	यान	মাপ
भाव	মার	भान	মাস	মাহ
ं यात	, খাৰু	যান	याव.	যাস
রাগ,	রাজ	র*াভ	রাড়	'রাধ
রাব	রাম	রার .	রাল	রাস
লাজ	লাউ	লাভ	লাপ	লাক
লাব	লাভ	नान	লাস	শাক
नाड	*11'E	seinel	শাত	*
retter	শাৰ	শার	শাল	শ ভ
যাট	गांक	गांक	<b>শাত</b>	मांध
मोन	मार्थ	স ম	সার	मांस
হাস	হাট	হাড়	হাত	হাব
হায়	হার	হাল	शंग।	
কিণ	কির	কিল	খিট	थिव
গির	চিক	र्खवी	চিড়	চিত
চির	চিল	<b>क्रि</b>	হিত	<b>हिश</b>
क्रिम	ক্তি	जिन्	বিল	हिन

154	ভিয	<b>তি</b> ক	তিশ্ব	তিন
ভিত্ত	FIA.	मिक	<b>किन</b>	भिव
ধিক	<b>बिख</b>	निष्ठे	मिष	निश
নিভ	নিম	পিক	FOID	পিট
<b>লিকা</b>	কিক	विंध	বিক	বিখ
'ৰট	fay_	বিদ	বিধ	বিল
হিন্দ	বিব	তিক্	ভিড	ভিত
সিত	शिव ।	<b>নিৰ</b>	विश्व	何本
শিভ	শিক	শিব	শিম	শির
শিল	শিষ	সিত	मिंध	গিৰ
হিত	किया।			
कींड	কীর	কীল	কীশ	গীভ
চীন	টীর	नीन	खीव	जीत
ভীর	मीन :	नीश	ধীত	श्रीव
নীচ	নীড়	मीछ	नीथ	नीश
नीत	नील	शोर्ड	প্ৰতি	श्रीथ
भीन -	शीरा	बौक	বীচ	वीज
বীত	বীর	ভীত	ভীম	मीह
वीन	মীর	मींग	त्रीन	नीड़
नीन	শীত ঃ	नीन -	ने ग	नित्

	1	[ % ]		,
तेश	শীর	जीज	शैन	होत्र 1
हरू	कूठ	कूर्	कूष	7
हर्व	कुछ	कूश	<b>**</b>	कुर
र् <sup>क</sup> इंक	<b>य</b> ए	र्भूम	<b>बु</b> श	<b>भूत</b>
	81	ঞ্জ	<b>Q</b> (2)	45
<b>8.2</b> 0	<b>भू</b> भ	बूद	74	EN
E.o.	T E	夏州.	<b>A</b> E	क्षे
हुन बूल	Po	<b>জু</b> ন	ভুল	<b>जू</b> व
	81	<b>2</b> 4	Le.	शुभ्
श्रूक स्राप्त	ञ्	त्रृष	श्रुंब	পুট
<del>র্ড</del> পুত	পুর	পুৰ	<b>कृ</b> क	सूके
<b>**</b>	বুক	ৰুগ	बूड	ৰুখ
बूग	<b>कृ</b> क्	<b>90</b>	<b>ভূ</b> র	কুবা
मूच	মুগ	मूत	बुक	ৰূপ
मुख	<b>कृ</b> क	कृष्ठे	क्रक	李多
मूर्ड	नूर्व	শুক	<b>79</b> 4	42
सूच	स्ड	ग्रूम	54	531
कुछ	কুপ	क्रम	কুছ	शक्
গৰ	भूम	श्रृक	<b>ट्र</b> न	· Éæ
	1	t l'		

5.4	्कृष्ठे	ভূপ	উল	<b>लू</b> ल
Ya.	. ट्र <del>्</del>	ধুন	ভূল ধুম	মূত
<b>स्</b> म	হুন হুন	<b>পুট</b>	পূন	भूग
পুৰ	ভূক	ভূত	মূক	ূমূত
<b>মূল</b>	भूष	যুক	যূপ	যুপ
मृंब	<del>ሳ</del> ፱	ৰূপ	लून	नुभ
<b>प्</b> क	শ্র	প্ৰ	ऋ्ह	स्र
सून	'সূর	रस	र्रूड	ছুন ৷
<b>**</b>	कूश	Seal.	গৃহ	TE
ভূ <b>ৰ</b>	- তুণ	<del>र</del> ू छ	ধৃত	न्भ
सुश	রুত	त्र्य	<b>সূত</b>	ভূশ
মূগ	मुख	শৃত	गुक	¥ (*
ক্ছ।	কেন	(क)	কেহ	খেট
(अम	থেয়	গের	গেছ	(च्र
टाउँ	চেল	<b>ट्</b> म	ছেপ	्कर्
টেপ	টের	ঠেক	टोत	्रंदर्भ
চের	কেন্দ্ৰ	তের	দেব	(मन
. (१३	ধেন :	নেত	লেম	ংগ্ৰ
পেয়	পেল	GRA	কের	ং বঁক
বেগ	বেড	বেণ	ভেক	(छंडे

ভেত্	ভেদ	মেক	মেঘ	टमर्ठ
মেড়	মেধ	মেল	মেৰ	(मर्
্যন	রেক	রেপ	(त्रक	द्भाग
লেখ	ৰেগ	শেখ	শেপ	(一种
শেব	শেল	শেষ	<b>ে</b> শক	শের
হেট	८इठ	হেন	হেম	(হ্র
হের ৷	देखन	टेडन	टेमन	टेमव
देनम	देशन	বৈণ	टेवम	্ বৈৰ
বৈর	<b>টেশব</b>	देश्य।	N <sup>b</sup>	
কেক	কোচ	· কোঠ	কোণ	কোপ
কোল	<b>क</b> य	থোড়	খোদ	খোন
খে প	ংখার	त्थान	থোস	গোঁজ
গোঁড়	পেঁক	গোচ	গোছ	त्शाव
গোড়	त्भाम	८भाभ	গোল	গোস
ঘোপ	ঘোর	ঘোল	ঘোষ	बाँक
চোক	চোট	<b>চোড়</b>	চোপ	চোর
চোল	ছোপ	ছোল	ৰোঁক	জেন
জোল	<b>कि</b> वि	বোড়	কোর	ঝোল
টোপ	টোল	<b>टर</b> १ड	ভোম	ঢোল
তোক	তে ক	তোদ	তোয়	ভোষ

[ 14 ]						
(4)4	<b>८व</b> १ष	cris	(मांक	দোশ		
দেহ	ধোক	বোপ	ৰো'ঙ	colle		
পোট	C4114	CPTH	त्नाच	<b>कि</b>		
Cala	বোধ	ৰোগ	বেশুল	(जान		
<b>ভ</b> েৰ	লোট	ভোর	त्यांच	মোচ		
মোট	মৌড়	<b>त्या</b> च	মোদ	মোন		
<b>ंगांग</b>	মাহ	বোগ	त्यां है	<b>८ग</b> ण		
Cata	রোক	রোধ	রোপ	রোম		
ৱে াৰ	রোচ	त्वकि	বোচ	লোপ		
লোখ	(अग्ध	Contra	त्नाम	<b>बा</b> न		
শেড়ি	<b>লোম</b>	হোড়	হোম।			
কৌল	কৌশ	পৌড়	পৌণ	গৌরত		
চৌর	ভৌল	(मोष्	বৌজ	পৌর		
পৌষ	কৌভ	বৌধ	'ভৌছ	ভৌম		
মৌন	বৌৰ	CONTE	শৌচ	(भोज		
শৌভ	শৌশ	त्यांत्र ।				

্রি ১৭ । শ্বরান্ত ভোক্ষর শব্দাঃ।

মূকা	অণু	অতি	অধি	्र वार
गिन	अवि	অম;	जमी	अहि
भदतं	व्यनि	वरू	অহি	जारकी
ভা	ইতি	र हिन	ইরা	इली
हेयू	<b>Dail</b>	<b>क्र</b> श	केंक।	উকি
<b>छे था</b>	উচু	田田	উড়ী	উড়ু
<b>हेवी</b>	উবু	উরী	উরু	উলী
हेड़ा	केंक्	<b>जे</b> ती	উব†	ঋতু
NE	यानी	ঋষি	একা	একি
aca .	এলা	ঐরি	ংকা	ওতু
৪থা	<b>अटम</b> ी	<b>७</b> न	কচা	কচি
क्रू	কটা	কটি	कृष्ट्रे	কঠী
<b>ক</b> ড়ি	কড়া	কণা	কণি	কথা
कम	कनी	কপি	কফী	করী
কল	কশা	কৃষি	কহ	रका
খটি	খড়ি	थिम	খনা	थनी
ধৰি	থকু	খলি	খস	' গছা
গঞ্জা	গড়া	গড়ি	গড়ু	গণা

### [ 56 ]

গভি	<del>9</del> 44)	शिम	গবা	গৰী
, গ্ৰাম্	4	গলা	ঘটা	ঘড
वंचि	व्य	ह्ये	চজ্য	ह्ना
ВŊ	চরি _	<b>5</b> ₹	<b>ह</b> ना	চলি
<b>े</b> बा	हों	Die	इड़ी	<b>ह</b> ली
'জটা	काम	ক্ত	कमी	<b>3</b> 4
कर्	क वी	ख्य ।	क्यो	अन
अंद्री	क्टी	कड़ि	यदग	<b>छे</b> न,
ভন্	<b>ক্ত</b>	<b>ভ</b> ি	<b>তথা</b>	· 24
ভধী	তপু	তব	তমা	তমি
'চরী	তরু	তলী	থকা	थली
F.S.	मर्थि	मञ्	मका	मभौ
सर्	म्त्र)	<b>म्</b> द्री	मिलि	नर्भा
গৰ্জা	ধড়ী	धन	भनी	্ব ধরা
नकी	নখী	नशी	र्माक	ल मी:
ननी	নরী	नली	পচা	পচি
পটি	পটু	পড়া	- প্রতি	পথী
'भूमी	পপী	পশ্ব	প্ৰ	পর্
পলা	পশু	ফুণা	कनी	कना
वनी	বটু	बटछ	বডা	বধু
		-		

[ \$\$ ]

বনি	ৰপা	বরী .	ৰলা	वली
বশি	বসা `	नमू	বভূ	<b>ं विर</b>
ভরা	ভক্	ভষা	মণি	মতী
মধু	মন্ত্	মরু	भन	मेंगा
मगी	মহ	যতি	यथा	यका
यमि	ষ্তু	যুৱে	যমী	রক্সি
রতি ,	. भारती । भारतीय ।	त्रमा	রবি	রসা
রসী	लघू	লতা	লস	শচী
लंडा	*17 m	শনি	সধী	স্টা
गङ्	সভী	अमा	गंडा	সম
गड़ी	শরী	मुक्	সশা	সহ
स्त्री	হরি	रसू	হলা	श्ली।
		-		

#### बाक्कत नकाः।

•				
ৰক চ	অগজ	অগত	অগদ	্ভাগম
गठेल	- অকপ	অক্ষ	অজর	अप्रेन
ग्छेन	অতল	खमल	অধর	অধ্য
1नध	অন্ম	व्यवस	अनल	<b>অপথ</b>
<b>শপর</b>	<b>ज</b> वंडे	অবল	অবশ	অভর

অমত	खम्म	खनव	<b>क्रमल</b>	अश्रत
<b>क्सर</b>	জ্বম	জনক	অলগ	<b>अ</b> न्न
<b>अ</b> न्य	<b>इंड</b> न	ইতর	के सद	উৰ্বন
উজন	উটজ	উতর	खेमम	<b>डे</b> पश
, উষর	উষক	ঋষভ	একক	এম্বর
क्षेत्र ।	હંઠન	<b>ভ</b> বণ	উর্গ	344
কথন	কটক	<b>কত</b> র	कश्रु	क्रमक
क्तन	কদ্র	कमन	कशहे	कबह
क्रमर्र	কমল	করক	कड़ाह	করভ
কর্ম	কলপ	ক্লস	ক্ষণ	খচর
বজক	খটক	र्शनक	খলন	খসন
গ গ গ	গছন	গণক	গমন	গরভু
গরম	श्रलम	घढेक	घष्टेन	চটক
हनक	<b>চপ</b> ল	চমক.	. চমর	<b>इ</b> न्ह
इनन	জগর	জগল	<b>अध</b> न	ক্ষর
क्रमन	ज्ञशन	ं जवन	জৰ্ম	জমক
<b>क्स्</b> न	ঝায়াণ	টনক	ডমর	ডরণ
্তলুন	<b>ज्यम</b>	তনয়	তপন	ভপ্স
তস্স	তলক	सर्वन	<b>मग</b> क	<b>म</b> श्न
भगन	मञ्क	<sup>''</sup> प्रम्ब	एक्ष	ধটক

	1	( <b>\$</b> )		
दम	थयन	श्यक	ধরণ	नचन
रत	नशंक	नरम	নত্স	नवंड
पन	নরক	नगक	मलम	পট্ক
<b>के</b> ल	পট্টহ	अन्ब	প্ৰস	পতগ
ত্য	পত্ৰ	শ্দক	<b>अम</b> श	পর্ব
লক	李丹春	कल्प	कलन	वकन
7 <b>2</b>	<b>ৰচর</b>	अमृज	বদর	বধক
N Sp	খনদ	বর্ট	বরণ	বলল
451	उक्रम	ভড়ক	ভবন	ভরট
36	ভরত	ঘকর	মগধ	मधम
10	भ्रम्म	মলন	मलब्र	মশক
<b>एम</b>	एक उ	यक्षव	যতন	যবস
।ক	यमक	यमन	यमल	রচন
PE	<b>ब्रम्</b> न	রবণ	<b>त्र</b> कथ	ব্ৰস
79	রসন	লটক	मश्रम	লৰণ
पक	শকল	শক্ত	শবর	শকল
44	<b>अंगर</b>	भगम	<b>अ</b> गल	শর্থ
<b>म</b> न	শরক	শরট	শরণ	শরভ
পভ	<b>****</b>	সগর	সচল	স্কল
àsk.	সভত	স্তল	गम्न	गम्ब

२२	1

मक्त्र .	সকল	<b>7</b> 4	<b>সরক</b>	<b>সর</b> জ
সর্ট	সর্ণ	সরল	<b>म</b> र्क	হতক
रूजन	क्रवन	হরক	হস্ৰ	

#### স্বর মুক্ত বাক্ষর শব্দাঃ।

नकान	অকায়	• অধিল	<b>জা</b> কিম
আশিত	পাশির	<b>ই फि</b> ছ	ইবিণ
के निष	केलान	উদিত	উজান
ঐশিক	ঐহিক	কাকাল	কাছাড
কাটার	কাতান	কালায়	কামান
কালাপ	কাসার	খাটান	খামার
গাবান	চাগান	চালান	জাগান
वारान	<u> গভাল</u>	ज्रांभा	হামাক
मानान	ধারাট	নাটান	নারাচ
পাছাড়	পাতাল	शामान	পাহাড
<u>কাটান</u>	বাঁধাল	বাগান	বাচাল
বাড়াট	বাতাস	বাদাম	বাৰন্
বাসান	ভাঁড়ান	ভাগাভ	ভাষান
মাথাল	<b>শা</b> নান	কাছিম	কাপিল

# [ 65 ]

<b>কিলা</b>	ক লিক	কারিক	क् शिका
<b>ভিক</b>	খানিক	थानिज	नाशिक
1লিড	চাটিম	<b>का</b> निक	ডালিম
গবিষ	ত লিক	দাভিম '	্ দারিত
िलिय	<b>ना</b> ष्टिम	নাবিক	नानिक
†কিম	পাঠিত	शानिक	পাতিক
भानिन	পারিশ	<b>ফা</b> ণিত	বাচিক
বাজিন	বাণিজ	বার্তিক	বাদির
বারিজ	বারিশ	বাংলিশ -	বাসিত
गहिक	বাহির	ভাগিক	<b>जाबि</b> ङ
লাবিত	ভারিক	ভারিট	মাধিক
মারিত	মালিক	মাসিক	माहित
যাজিক	যাচিত	যামিক	রাজিল
नांष्ट्रिय	नानिक	শাণিত	শাসিত
<u> বাদিত</u>	माधिङ	म गिल	হারিত
কামীল	কারীষ	कालीक	কাশীশ
জামীর	বাতীয়	বাপীহ	বারীশ
वातीं	বাহীক	<b>ताजी</b> व	<b>मानी</b> न
ক ক্লিজ	' ঘাতুক	চাতুর	চাণুর
কাতুক	জাতুব	व। द्व	তালুক
			•

***	ं महिल	ৰালকু	4
#1#P4	বাপুক	ভাকুট	ভাল
THEFT	মাতৃৰ	মাধ্ক	भार
भौतक	भागूर ॥		

#### স্বরাম্ভ ত্রাক্ষর শক্ষঃ !

		**,	
<b>জকধা</b>	ख्टना	मक्री	495
<b>भ्यक्षम्।</b>	<b>मडे</b> नि	<b>अउ</b> ठी	व्यक्षः
হ্মপর:	MAZI	अवनी	ख्य ह
অনু	খরণা	ম্মরণি	্ পর
बाह्य क	জাধতা	कानथा '	ভারতি
खादगी	<u> পারতি</u>	উড়ৰী	• डेक्ट
<b>डेश्</b> म	জনানা .	खनिश	डेलि
<b>अवडो</b>	এক <b>ট</b> া	<b>এয়াক</b>	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
कथना	করটা	कछकी	कवत्री
कत्रवी	कवनी ।	<b>ৰপরা</b>	अवि
<b>সক্ত</b>	গ দর্গ	গণতা	र्ग गब
भवंकी	घठेना	यत्री.	<b>ग्रेक</b>
इन्जा	<b>हम्मा</b>	क्रमणी	<b>इन</b> के
		•	•

जनगी .	<b>अ</b> श्नी	জলভূ	वाद्र क
তনখা	তনয়া	তরণী	তর্ল
দর্ম	मयनी	<b>मल</b> नी	म्मभी :
ধরণী	नथना	<b>ल</b> श्व	নগজা
নগৰী	নবতী	तुवनी	नवभी
নরকী	নরজু	পটলী	বশ্ত
ৰহ্তি	ভর্স	ভবতী	ভমরী
মগ্ধা	মদ্ন	মনসা	गकरी
শতধা	শরণী	* भगी	শ্রভূ
भवनी	স্ধৃক	সর্জা	महाग!
সক্রী	<b>সু</b> রণী	<b>इवनी</b> ।	
কাকারি	काकिनौ	কিবাতি	কিরীটা
কুচিক:	कुट कि	কোপনা	(कोसू में)
কৌশিকা	খটিকা	খডিয়া	यूत्रमा
গজারি	গণিকা	গিরিজা	গিরিভূ
গুটিক)	গৃহিণী	গোমায়ু	গৌরিক।
গোত্ৰমী	ঘূকারি	গৃতাটী	ঘেটিকী
চটুলা	চাতুরী	চামরী	চির তা
ছাগিকা	अप्रिला	<b>क</b> निक	বিরক।
<b>जि</b> शीया	<b>জিতা</b> রি	জীবিকা	জোনাকী
	[1]	*	

	[ %	• ]	
টকুৰ 🐣	' <b>টা</b> করা .	ঠিকানা	ঠেকন
চাক্ৰা	<b>ত</b> थाणि	<b>उमा</b> मि	তাৰিষী
ভাশাক্	তিলকী	তুরগী	জুলিক)
তৈলপা	হোড়নী	ংগাপন	দ্যিত।
<b>দা</b> রিকা	দিশি, যু	দীধিতি	मीशनी
<b>ছ</b> ধিয়া	'দেহতা	দেবভূ	দেবিক
ধনাশা	ধনিক	<b>४</b> त्रभ	भारतिनी
ধীমতী	ধীরতা	मत्व   ए।	नारिका
नाजूनी .	মিবর)	নিবাসী	নীরধি
নে ইয়া	रंगधानी	रेनপानी	পটুতা
প্ৰাতি	পাকলা	পাখনা	পিনাকী
পিয়ারা	পীতিকা	श्रीमना	शूरलामा
'পুতিকা	পৃথিবী	পেচকী	পোতিক।
পোলিকা	ফেণিকা	*বর্কারি	ুবটিক;
বাভাসা	বিকসা	বিকাশী	बौठालि
বীথিকা	বেণিকা	বেতসী	বোধনী
, ভবানী	ভবিহা	ভাবিনী	ভাষিনী
ভোগিনী	<b>म</b> ित्र।	मधुदा	মণিয়া
য়াত দি	विश्विल।	মিনভি	মুদিতা
<b>ब्</b> तली	सूनली	· মৃগর।	ম্গারি

#### [ 29 ]

মেহন	মৈথিলী	মোহিনী	্যাতনা
यामदी	গোগিনী	যোষিতা	রুসালা।
রীতিকা	<b>त्रा</b> धना	রোহিণী	लगीक।
ननार्यो	भाकिनी	ণালাকী	শিখালু-
<b>बिन</b> ्सी	শীলত।	শেফালি	रेगनानी
শোদনা	याधना	নামীটা	<u> পার্থি</u>
<b>पूर्वम</b>	পুচা <b>ক</b> .	্ল <b>স</b> শ্চী	নোণালা
হালনী	शिरें छथी।		•



#### চতুরক্ষর শবাঃ।

অকপট	<b>ভাজ</b> গর	অনপর	অনবর
<b>ভা</b> শগা <b>ত</b>	অপগম	<b>অ</b> বকর	<b>অভরণ</b>
ভামর্জ	আগমন	অবিটন	অ:ভরণ
<u> অব্যূত্ন</u>	উগরণ	উছ্ডন	<b>डे</b> श्रनन
छे नग्रन	উত্তরণ	একচর	এক্তম
একত্র	কতফল	কতরণ	कमलक
করক্ত	কলরব	কললজ	<b>খ</b> চম্স
ঋগগড়	<b>চড়কল</b> ়	চমকন	ठ <b>लम्ल</b>
জ्न श्रम	জলপথ	<b>डि</b> श्लन	<b>मग्नक</b>

#### ् २৮ ]

धने श्रम	नरमन	প্রতল	মদকল
শুদনক	মরকত	যবম্য	রসম্য
শততম	শত্মখ্	<b>अं</b> डम्टा	শশধ্র
क्राज्य।	-		

#### স্বরযুক্ত চতুরক্ষর **শব্দ**ং।

অকাতব	অকারণ	অকৈতব	অতিবল
আভিপর	<b>ज्या</b> न्य	অধোগত	অনাগত
অনাদ্ব	अञ्चलक	অনুদর	অমূপ্র
सामकश	অপালন	অবিকট	অবিকল
অভিনব	অমূলক	অরাজক্.	অয়াচক"
অয়োগব	আখুরথ	আঘাতন	আজীবন
आपीनव	का त्वम्न	<b>পজাজী</b> ব	অভিবাদ
অতিবেল	<b>অতিরেক</b>	অতিরোগ	অবিবেক
ঙাবদিত	ইরাচর	ইলার্ত	ইতিহাস
उँ ज़नीय .	. উपशान	উপনীত	উপপাগ
উপবাস	উপনাম	<b>छेशरम</b> ग	अनमन
গাদুকায়	ঋতুবাজ '	একধ্র	একতাৰ
একদুক্	একপাশ *	<u> একারন</u>	একাদশ

<b>উ</b> দরিক	<b>अ</b> मनिक	কটকোল	কুটুবীজ
কটুরব	কণজীর	কতমাল	केमाठन
কপো <u>হা</u> ভ	ক্বলিত	ক্মনীয়	করতাল
क्रमान	ক্রবীর	করভীর	· কলধুত
কলধে ত	. कलाविन	কাঞ্কল	কাকলাস
कारकामन	कार्रकल	কাৰচিক	কামজান
কামশ্র	<u>কামসূত</u>	कारमानक	কিসলয়
कीलालश	কুবলয়	কুমারক	কুলনাশ
কুলবার	কুলাচার	কুলাহক	क्षीवन
কেরবাল	Carional	কেশ্বেশ	কৈরাটক
কোকদেব	কোজাগর	কোলাহল	কোযাতক
কৌট লিক	কৌতুকীয়	কৌশ <b>লে</b> য়	খগখান
<b>ধগাস</b> ন	খমীলন	থ টমল	थूजलान
গ্ৰদ্ৰ	<b>अ</b> ११ हल	भगिष्टि	গতায়াত
গদাধর	গবরাজ	গবাদন	গ্ৰাশন
গাধিপুর	গিরিকাণ	গিরিমেদ	গিরিসার
গুড়াকেশ	खनस्यान	গুণীভূত	গৃহমূগ
গৃহাগত	গৃহাধিপ	গৃহারাম	গোদোহন
গোপদল	গোবরাট	গৌরবিত	গৌরীপাট
গৌশতিক	ঘনতাল	ঘনবাস	ঘ্নামল

	[ 9	• ]	
ঘনোপ্রল	ঘনসার	ঘৃতকর	<b>ঘৃত</b> পূ:
্ ঘোরতর	চর চর	<b>ठलां ठल</b>	চামীকঃ
ঁ চৌরাম্বাত	<b>इं</b> छे कल	ছারাকর	<b>জড়ীভূ</b> ং
জনবাদ	<b>ज</b> र्भात	<b>জ</b> রায়ুজ	জলকাব
: जनभान	জলবাহ	<b>के</b> टल শ য	জহানক
জাতৰপ	জাতিকোশ	জাতিসার	जानवर
জায় জীন	জালপাদ	कीव्धन	<b>जी</b> वनद
জীবাধান	জুহুবান	টাকশাল	তমোকুদ
তমোমণি	তমোহর	তারাপথ	তারাপীভ
তিরে†হিত	<b>जि</b> त्नीम् न	তীরগত	তৈলকার
দ্ধিচার	<b>मिश्रा</b> त	<b>म</b> ञ्जीश	मारमामत
দায়ভাগ	দিক্পাল	দিগ্গজ	দিনকর
<u>দিবাভীত</u>	দিবামণি	<b>मीय्या</b> न	<b>ছ্</b> রারুহ
<b>ত্</b> র†সদ <sup>্র</sup>	<b>দু</b> রীভূত	• पृष्कल	<b>দৃ</b> চু মূল
দেবগৃহ	<b>म्वमू</b> ७	দেবপথ	দেবলোক
দেবর জ	(मानगान	मोवां तिक	ধনাগার
<b>ৰাতুভেদ</b>	ধাতুরাজ	<b>धूनी</b> नाथ	ধূপায়িত
गागछन	নবশাক	नरजालश	নমসিত
न । मद्धश	नामनीय '	নিপাতন	নিব†রণ
নিয়োজন	নিয়মিত	<b>निक्र</b> शम	नौताजन

দীলতাল	टेनकट जन	<b>टेनकटब</b> य	ক্রোমিক
পচমান	পটবাস	পদাঘাত	পদাতিক
পাণিত্বক্	পাথোধর	পারাবার	পারিক্লাভ
<u> পীতলোহ</u>	পীতরাগ	পীত্যার	श्रुति। पक
পুনর ম	পুরাণগ	পুরীষম	পুরোগম
श्रुक्रमीत	পুগফল	পৃষাতক	পোতবাহ
পোতাধান	পৌরোগব	পৌরাণিক	ু ফলপুর
ফলাফল	वश्नीय	বনাযুক্ত	বর্সন
বরীয়ান	বলিম্থ	বাজীকর	বাণিজিক
বাতপোথ	বিশাসত	বিগলিত	বিচারক
বিজিগীয	বিনায়ক	বিনাশিত	বীজক্লহ
वीरजानक	বীরপান	বীর সন	वौद्रदेश
বুণতাত	বুধবার	রুকে দর	<b>র্ধস</b> ান
বেদাধিপ	<i>(वरम)</i> मस्	বেলাকুল	বৈক্তিক
বৈজয়িক	বোধাতীত	<b>ৰো</b> ধনীয়	ভগীরথ
ভবদীয়	ভান্নবার	ভাববোধ	ভীমদেন
ভীমহাস	<b>ভু</b> রভার	ভূতনাথ	ভূতিকাম
ভূরিগম	ভোগরাগ	ভোগপাল	ভোজনীয়
ভৌমজল	मशु दव भ	মধুদীপ	মধুদুত
মহাকাল	মহাঘোষ	মহাতল	মহাদেন

মহাহাস	गाननीय	মানসিক	मानशैन
্মান্থবিক	मुश्रामाय	মুখাময়	মুখানব
মূলাধার	মৃগর জ	মেঘজাল	মেঘদীপ
্মেষপাল	মৌর জিক	যথাকাম	<b>গথাজাত</b>
যবন ল	यमकीष्ठे	যমপুর	যাচিত্ৰক
যাতুধান	- यादमानाथ	गानगूश	যুগশ্ব
মুবর জ	যোগপীঠ	যে†গৰল	যোগাসন
ग्रक्कील.	त्रश्भाम	রবিনাথ	রমণীয়
রাজকর	র†জফল	রাজশাক	রামদূত
রামশর	রোমকূপ	<u>রোহিতেয়</u>	नधौरा न
লঘুকায়	লতামণি	नां छक्त	লালসীকু
লেখনিক	লেখনীয়	লোভনীয়	লোমকুপ
লোহকার	শতধার	শ্তপাত	শতানক
শরজাল	শাকুনক	শীখাপুর	শারদিক
শিখাচর	শিখাবল	শিখামূল	শীতকর
শীতকাল	শীতফল	শুকনাস	শুকবাহ
.শেষকাল	শৈলধর	শৌচাচার	শৌবাপদ
সদাচার	नमामान ,	. সন মক	সমভাৰ,
<b>সাহসিক</b>	সিতকর	<b>সিভশিব</b>	সিতস¦র,
सूक्रभात	<b>रू</b> थकत	र्र्यालय	ऋभाकत

			, Kall
(তিমাস	স্থৃতিগৃহ	স্রস্ত	ूममा वर्त
সকতিক	<b>সোমবার</b>	সৌরভেয়	* হয়মার
র <b>বীজ</b>	হরিতাল	হারহর	হিমাগম
<b>ी</b> नवाम	<b>ভ্</b> মবাঘ	হৃদয়েশ	<b>क्</b> षीटकश
হমকার	হেমকুট	হেম্কেশ	टेश्मव्छ।

#### স্রাত চতুরকর শব্দাঃ।

ভাগমতা	অঘটনা	क कटमान	অতিসারী
অনপায়ী	अन्। । ती	তনীকিনী	অনুকারী
, बसू भागी	<b>अ</b> श्कीती	অসুমিতি	অপরাধী
অপহারী	অ্বমতি	অবহেলা	অভিনেতা
' অভিনানী	অ মলকী	আমিষাশী	আরভটী
আরাধনা	আলিপনা	<b>ब</b> टलां हन।	इंग्रेट्याना
ইড়াঢিকা	<b>इ</b> ट्डायना	উদরিণী	<b>छमा</b> जिनी
উপজীবী	উপপত্তি	উপৰীতী	উপমিতি
উমাপতি	একপাটা	একনামা	धंकरयानि,
একহার।।			
কড়িয়ালী	कनीनिका	কলাকেলি	কাচনকী
কাণপাটা	কাণাকাণি	কামরেখা	কামৰপী

कूमूमिनी কুমারিকা कीलांनिध क्लिटवंदी কোলসাতী रेकत्र विशी কেশপাশী কেলিকলা কোৰী ক্ৰকী গণিকারী গণেকক গজাশনা গুটিপোকা গৃহগোধ: গৰাদনী গাদীপতি ग्रशिका शारमार्गी গৃহভূমি গোপবং ঘোরতরা চারবাং घत्नांमधि গোরোচনা চিরজীবী 'চোরাবালি চির্মেহী চারিপায়ী জনয়িতা জবনিক জনকারী ছায়াতর জলহর জলালুকা জলচারী: कतनीली তদবধি তমোম-ি 'জীবনিকা किनरश नि ভূণগোধ जूनातकारि **ত**াকেত্ তারকিণী দিবাভী দাশরথি माङ्गिमा माक्किनी **ष्ट्**षनाहि দীপশিখা" **ত্**রারোহা দিশাহারা टेमवमां इ **দূ**ঢ়বাদী দেবগিরী দেব তর্গ **म्बद्या**नि দেবপুরী (मवगणि দেবপতি ধামনিহি ধনহরী ধাতুবেদী टेनवटमादश নভে'রে ধারাবনি নবতিকা नवरमाला निभौतिक नागतानि नाभरत् नागवना নিরাহারী নিরাক্ত নির ধারা নিরপায়ী मीलम ( नीलव्या नौत्रनिधि নীরসভা

পরিসীমা **अम्या**ला পরকলা পারাশরি: পাপীয়সী **भा**षत्रथी পীতমণি পিশিতাশী পীতবাসা श्रुतामका পৃথাপতি পুতনারি পুরোগতি পুরোভাগী ফলভূমি वनमानी বনমালা পৃষভাষা বারনারী বারনিধি বামাচারী বাধকতা বিকুণিকা বিকালিক। বিজিগীষা বারবেলা বিদারিকা <u> वीत्रदत्र</u> বীরবাছ বীরমাতা देवश निकी বেগবতী **রহতিক**। দেবমাতা ভূতহারি **डा**गीतथी जा ! गामी जीय/दमवी ভূমিজীবী यगियाना ভোগবতী यमाला शी মাতামহী মাধবিকা মনোরমা মনোহারী মায়াবতী ম্গারাতি মীনঘাতী মেঘমালা মেধাবিনী **য্থপতি** রতশারী যাজকতা <u>রোচনিকা</u> রাজপুরী রতিপতি র জিফল লোপাপিকা রোমাবলী শশিকলা गमित्यश শৃগালিকা শেকালিকা শিখাবলা শিরোধরা रेगविनगी সমাপিকা <u> সারমাটী</u> শোকহারী নার মেয়ী সিতালতা সীরপাণি **रूथ**णाली সোহাগিনী द्रिकीवी স্চিরোমা रश्भाला .

#### [ ৩৬ ]

# श्राकृतिली हिमधांकू हीनवांनी दशमाला देशमुखी।

#### चत्रयुक शक्षाकत गकाः।

অজাপালক	অতিপাতক	অতিবিকট
व्यक्तित्व	অনবসাদ	অনালোচিং
অনিবারিত	<b>অ</b> নিয়মিত্	অনিলাময়
অমুগৰীন	অনুপাতক	অনুমাপক
অমুলেপন	<b>अश</b> ्नामन	অপবারিত
অপরলোক	অপরিমিত	,অপাবরণ
অবগাহন	অবগোচর	অবপালন
<b>अ</b> वटंश्लन	<b>অভিনিবেশ</b>	অভিবাদক
<b>अ</b> ভिবाদन	অভিলীবত	অভিলাযুক
অসমাপন	আকাশদীপ	আদিকারণ
আদিবরাহ	অ†ধিদৈবিক	<b>আভিচার</b> ব
ইতরেতর	ইভপালক.	ইভমাচল
क्रमान्द्रभाव	<b>छ</b> मद्रामस	উপটোকন
উপদানক	উপযাচক	এতদিতর
কথাসচিব	কনকাচল	করিশাবক

করিদারক কাচভাজন কুমুদবাস কুমুমাধিপ কুত্ৰতন্ কেশকলাপ গগণেচর গিরিভামল हत्र भारत ছাগবাহন खल व युग জালকারক **जी** विंउकान তোয়সূচক দেবতাধিপ **रे**मवरकाविम দোহাপনয় নামাপরাধ পটবাসক

করুণ কর কাণপাতল কুলধারক कूरू गांश्थ. **কৃতা**পরাধ কৌশিকফল গ্ৰুমাচল ঘোররাসন চরমাচল अन्य निव कलमा त्रुव জীবনায়ত জীমৃতকুট मीशशामश দেবায়তন टेमवटलथक थात्रा वार्न निवाशमीय প্ৰনাশন

ক্ত কালীয় काश्वलन কুলপালক কুমুমানব কেলিসচিব খদিরোপম গতন|সিক চরণায়ুধ চিকুরপাশ <u>জলতাপিক</u> জলপুক্র <u>कौ</u>वनाधन তরণিসূত দেবগায়ন দেহধারক দোষাতিলক ধারাবাহিক नौनकमल পরমলাভ

#### [ 🛩 ]

পরিয়াতন	পরিচারক	পরিবেদন
প্রবিধাবন	প্রিপালন	পরিবাপন
পাকিবেশণ	পরিভাষণ	পাণিপীড়ৰ
প্ৰাণবাদক	পারলৌকিক	পারিতোবিক
লি <b>শিতাশন</b>	পৃতিসারক	न्बन्य प्र
পৃথিবীপতি	कलदक विक	ফলাপলাপ
বঙ্হানল	বভবাস্কৃত	বনগোচর
ব্ <b>নব</b> াসন	द्वमाञ्च	वानाभ्वान
বারিবালক	বাৰ্জুকাময়	বাঁলোপৰীত
विश्रमभान	विधनाभग	বেদবঁদন
<b>ज्ञान</b> का	ভালবাসন	जीय-गामन
ভূতভাবন	মধুরালাপ	মধুরে দেক
মধ্লো <b>লু</b> প	মলর চল	মলয়ানিল
মহানরক	<b>মহাপার্ছ</b> ক	মহারাজক
মহারোরব	মহাপদর	মানসালয়
মূগ <b>াব</b> ক	মৃদ্ধকেশ মক	মেঘতিমির
যোগনাবিক	<b>क्रम</b> ासक	রাজসারস
রে মকেশর	শক্ত প্ৰন্	লোহিতানন
লোহচারক	<u> শ্বরাবাস</u>	रेभका भिष्ठित
<b>भ</b> र्गभी <i>व</i>	<u> নীমাবিবাদ</u>	<b>बूत्रशा</b> म्

হরিব হন স্চিবদন হরিবাসর হিতজনক। र्तिरलां व করপালিকা কপোতপালী কপিলধারা কালামুনাদী কলভূলিক। কাণপাতলা কুলপালিক। কুমারবাহী কালানুসারি कुरुककोदी গিরিকদলী গণিকারিকা घृ जमीशी जि ঘৃতকুমারী গৃহমেবিনী জয়বাহিনী <u>जाल(शाशिकां</u> জয়কারিণী তক্রতুলিকা **जीवन**यानि ঠাকুরলাটী তৈলপায়িক। **म्ह्मा**त्राडि দিধিস্পতি नवनीिंधिंडि নৰমালিকা **माइनवडी** मवर्ग वन পরিচারিক। পরিরাদিনী পিশিতাশনা পরেপিকারী পাহাণভেদী বনমালিনী পীতকদল: বরাহকালী বলদীনতা বামলোচনা বায়সারাতি বায়ুবাহিনী বাহিনীপতি বিভবশালী ভবন|শিনী মহানব্মী মহাপাতকী যামিনীপতি মুধকারাতি রথাবরোহী রায়বাঘিনী রোহিণীপতি ললামভূতা শিবদু ভিকা শিশুপালহা বোজগভুতা

#### [ 8• ]

#### 👉 ञ्चत्र यूक्त वक्कत भव्याः।

অকুতাপরাধ **আকাশস**লিল কুমুদিনীপতি জনকড়নয় দময়ে বসুত দেবসেনাপতি न्तकरम्बर পরোপকারক পানীয়নকুল মদনসারিকা যৌজনশতিক সদানীরবহা क्मलनयुन टेक छे छन। भन খেচরুসমান চাতক্সমান জৈমিনিবচন পিশুনবচন

অনুযোগকারী অৰ্থ প্ৰারণ গতামুগতিক জলপারাবত পুরিতদমনী **४व**ीकीलक नातांश रैं रेजन পশুমোহনিকা পানীয়শালিকা মহিববাহন শিখরবাসিনী হরচুড়ামণি। কালপরিমিত কোক্নদস্ম গণেশবাহন চিকুরভূষণ माञ्चल्यम्ब পীনপফ্রোধর ু

অভিভাবকতা কালাসুসারক গতামুস্থনা জীমৃতবাহন দেবতাধিপত<u>ি</u> सञ्जिस् मन নিবাহকর: পাশলনিলয় यमनद्भाः इस মৃগ্ৰধা জীক रिশ্বরাজসূত কিরণনিকং কোমলশরীর গুরুতর জন জীবনধারণ मीन मश्रामः বসন্মোচ? বালকসমূহ শুবনমোহন সপুরাপ্তমন মনোহরবেশ মানসপুরণ শুবনীনিনদ মুনাপুলিন রৌরবনরক শাসনকারক শিবিকারোহণ সময়বিশেষ সেচনকারক সোদরপালন হিতকারিলোক।

#### পজিবার পাঠ।

যে সকল বালক বাল্যকালে বিদ্যাভন্নস না করে,
ভাহার যাবজ্জীবন হুঃপ্রপায়, এবং সকলকার অপ্রিয়
হয়। এবং যাহারা বালক সময়ে লেখাপড়া করেন,
স্পার প্রতিদিবস পাঠশালায় যান, তাহাদিগকে
সকলেই সমাদর করেন, পরে তাহারা বিদ্যাবান
হক্ষী ধনোপার্জন করেন সূত্রাং তাহাদিগকে
কোন ছঃর ভোগ করিতে হয় না।

সকল ধন মধ্যে বিদ্যাধন অক্সন্তম যে হেতু এই হজাত বিদ্যাধন অপর নামান্য ধনের ন্যায় অক্সন ও সঞ্চয়ন বিষয়ে কোন প্রতিবন্ধক হইবার ন্তাবনা নাইট এই বিদ্যাধন যত বিতরণ কর ততই তাহার ৰশ্বিকৃতা প্রাপ্ত হয়, ধর্ম ও অর্থসাধন বিদ্যাতেই হয় বিদ্যা ধূরহীর ব্যক্তির পরম সহকারিণী বিপদ্ধজনের বিদ্যা কেবল হিতৈধিণী এবং কামধেত্বর ন্যায় কর্মাজিলাব প্রদায়িনী।

বিস্তাৰণ নিধি চৌরে অপহরণ করিতে পারে না ভাগাধিকারিরা বিভাগ করিয়া লইতে পারেন। অগ্নিও জলেতে অপচিত হয়না, পথিকের পথ-সম্মল এবং অবলের বল স্বৰূপ হন অতএব এমত অথ লাভে যত্নশীল হও।

বিজ্ঞাহীন মন্নুষোর উত্তম কুলেতে কি প্রয়োজন যে হেডু তিনি কখন ভদ্র সমাজে পুজিত হন্ন। কিন্তু নীক্র ব্যক্তি যদি বিজ্ঞান্ হন্ তাহাকে সকলেই সমাদর করেন্।

মনুষ্য প্রথমাবস্থাতে যদি বিক্তা উপার্জন ন করে আর যৌবনকালে যদি ধুনার্জন না করে এবং রন্ধকালে যদি পুণ্য সঞ্চয় না করে তবে সেই ব্যক্তি অন্তিমকালে কিছুই করিতে পারেনা।

বিস্তার সমান বন্ধু নাই, রোগের তুলা রিপু নাই, আর অপত্যের সম স্নেহ নাই, এবং দৈবের সদৃশ বল নাই।।

#### [ 89 ]

#### अत ७ रनगुक भना।

- ক— ককোল কুকুট কুকুর চিক্কণ ধিকার।
  কল্প কল্পাল কলক সক্ষেত সক্ষোচ।
  উল্কা কলক কলক কলক শুল্ক।
  ছম্মর নিম্মর নিম্মল নিম্মুট পুম্মর।
  ভিরম্ভার তেজক্ষর সমস্কার পুরস্কার।
- 'থ— পুঞা নিমা শঙা শৃন্ধানা সন্ধা। হয়প্ৰ, স্থানন স্থানিত।
- গ- অঙ্গ কঙ্গাল তঙ্গা পুরক ওজ। বজা বিজ্ঞা। উলার জরকাব মদার মুদার। কথা কাথান কাথানী।
- ঘ— ক্ষা র**জ্ব লঙ্গন শিঙ্গাণ সঙ্গ।** উদ্যাটন উদ্বাটিত উদ্যাত।
- চ
   উচ্চ উচ্চারণ কচ্চর সচিত।

  অঞ্চল কঞ্চুকী কাঞ্চন চঞ্চল বঞ্চনা।

  নিশ্চয় নিশ্চিত পশ্চাৎ পশ্চিম।
- ছ উচ্ছলিত উচ্ছেদ কাৰ্ছপ কুৰ্ছিত আছু। উঞ্চ বাঞ্চা বাঞ্ছিত লাঞ্চন।

ভ কুল খ্ৰুল লক্ষা সক্ষা। ভক্তি কুঞ্জর থঞ্জন গঞ্জনা রঞ্জন। শেষ উত্ত কলা কুল সূত্ৰ। ব — উদ্দি কুঁজাট কুজাটকা কণিজাক। संक्रना यक्षा सक्षां। 40- गांका, अब्द विक थांक गव्ह। ট— অক্টালিক। কুটিৰ পটজ বাটক আই। कलेक घन्डा चुन्ही वन्डेन। कर्षे कृषे नर्षे मिके निके। b- कर्छ कृष्टि वर्डत वर्शन नृष्टिछ। ক্ৰিষ্ঠ কাঠ জোষ্ঠ ভূমিষ্ঠ ত্ৰেষ্ঠ। ড- অপ্ত কাপ্ত হাপ্ত দণ্ড ভঞ্চ। চ- দুশ্চি শণ্ড। न अर्थ, नियश वियश त्रांश कृश। क्रम् क्रमः ज्या रेक्का महिक् श्र्माइ थाइ जनताइ। ত - তিজ বক্তা ভক্ত রক্ত শক্ত। আরম্ভ উত্তম উত্তর চিত্ত পিতা। শন্ত একান্ত কান্ত চিন্তা বসত।

खख मीख आखे जूख ममाख।

গভন্তি নিস্তার পুস্তক প্রসন্ত মস্তব্ধা डेक्थ डेक्थमा तिक्थ। উত্থান উত্থাপন কপিত কুলত দ্থিত। গ্রন্থ পার্থ মন্ত্র রোমন্ত্। আহা কারত প্রতান তল ত্রি। **उन्हों अब उन्हों अब्हार अंदिन अंदिन आ**। আনন্দ কন্দ্র চন্দ্র ছন্দ বন্দ্র। ख्या भक् भक् भाग मध क्यं अनिक विमन्ध विमुख। উদ্ধত ক্ৰুদ্ধ খন্ধ বৃদ্ধি প্ৰদ্ধা। अक शक वक्रम वक्र मकान। आंत्रक लक जुक विश्वक। षित्री शिल्की राज्यू भक्। অগ্নি নগ্ন ভগ্ন ভগ্নী মগ্ন। কৃতম জগ্ন নিম্ন বিম্ন শক্রম। রুত্র পূজী যত্র রত্ন, ত্রধু। অন্ন অবসন্ন আসন্ন প্রপন্ন প্রসন্ন। स्थ, भर्, निम श्रक्षं सूर्म। প্রশ্ন প্রামি। ক্ৎন নাত নান জ্যোৎনা।

, আই আছিক চিছ জয়ু বাঁছ। भ- कष्ण हल्लकं श्रुक्ताता जल्लक। श्रकत शक इकत छिनमी लिशन। অত্য কল্পনা গণ্য জন্ম সম্ভল্য। গোষ্ণাদ গীষ্পতি নিম্পীড়ন পুষ্প বাষ্প জ্ঞান্দাদ পরস্পার নিস্পৃহ বাস্পা। গুক্ত ডক্ষ লক্ষ্ সক্ষাল। নিক্ষল, আক্ষালন ক্ষাঁত ক্ষাটক। ভ- অদ্ত উত্তৰ উত্তাবিত উদ্দি। আরম কনম গম্ভীর জম্ব দাঙিক। क्रका क्रकानी क्रकामर्भ क्रका। তিকা তিকাংশু বাকী যুকা। বাজায় বাল্পাত প্রাজ্ঞা, কুটাল মৃথার বাগাতুর হিরথার। আত্মজ জাত্মা তুরান্তা মহাত্ম। কথা হলা পদা পথিনী সন্ম। व्याधान हेथा थांडक थांमन। উন্মনা উন্মাদ জন্ম তন্মর।

সন্মত সমুখ সমাতি সমান।

कन्नाव कनावि अना जाना वन्नोक।

পীতাখা বেখা রশ্মি ঋশান ঋঞ্ উষ কুষাও এীয় ছয়ন্ত ভীয়। বিস্ময় ভঙ্গ শ্বরণ স্মৃতি। किकान खाका खाका। क्रम्मा शक्य लक्यो सूक्य। বাকা মুখ্য স্থারোগ্য প্লাঘ্য ৰাচ্য ভোজা। কাপটা পাঠা আঁতা অরণা মিতা পথা। অভা অসাধ্য মান্য প্রাপা গবা। লভা রমা অবশ্ব তুবা কছা বাহা লক্ষ্য। া চক্ৰ অগ্ৰ ীয় বন্ধ মিৰে ভন্ত। বিপ্র আমু বিব্র**ত ভাগ্রম অজন্ত** প্রহাদ। **जर्क मृथ इर्शम मीर्घ ठर्छा।** मुक्त ना कष्ट निर्वात शूर्ग मर्भ मर्वा। গর্ভ মর্মা জুল্ল ভ দর্শন হর্ষ গহিত। क्रिन क्रीत क्रम क्रम क्राम। शूर शांन शांनि शो। क्षक क्षरण क्षांयम क्षीरा विश्लय। अमू अमान मिलमू ह मान। जेलान करलाल पूज अकूल वलक। जञ्जील अथ द्वार ज्ञाचा ज्ञीलम।

्षाञ्चाम करनात अस्नाम बास्नीक। ব কণ কাথ নিকণ পক শকর। जांत्रथभ निथलय निथिकत अथी। खत खल खला यखन्। वछ। बछाक बछान। অনভান ইভুর নভুল শাভুল। कर किन्। গুরুত্ব চত্ত্রর ত্বরা সত্তর, পৃথী। स्रात किठोष एव दिशान्। जभारत धानि धारण माञ्च धारा । অম্বয় অস্থিত অত্বেশণ পস্থ। क्यल कम्य निथ विश्व विश्वाम। কিলিয় বিলু বলুজ শাল। আখাদ ঈশ্বর নিশ্বীস বিশ্ব শ্বেত। नत्तिष्र निष्य दिष्रक्। অহুস্থার আস্থাদন গোস্থামী তেজ্ঞ্বী क्खं शख्त किखा विख्न मत्नाखा। हेकांकू एक्ड किश। ग- अन्मता अन्त केना विश्वना निना।

### [ 80 ]

## अमूचात । विनर्भ युक्त भकाः।

	ভাংশু	অংহ	কংস
16.30	দংক্ৰ	প্ৰশ্ৰ	भारत
ent	পৌংসবন	<b>ज</b> श्त्र <sup>द</sup> ,	সংহার
্ <b>শ্চল</b>	इश्म	হিংসা।	
न <b>्</b> र	অন্তঃপুর	অশেষতঃ	আপাততঃ
<b>্তঃপ্র</b>	চতুঃ	তপঃ	তেজঃ
ভর্ <b>জঃ</b> কুঃখ	ধনুঃ	ধর্মতঃ	मडः
गर	নিঃশব্দ	ানঃসার <sup>ং</sup>	পরিতঃ
প্রচেতাঃ	প্রায়ঃ	প্রান্তত:	বিশ্বতঃ
गनः	यजू;	योमः	শিরঃ
11.			

## जामान यूक्टवर्ग खाकः नकाः।

:	ক্লান্তি	ক্রিস	ক্লিফ	গুৰু
318		•.	व्य	ভিক
असि	करिश्व	230	•	7
বিশ্ব	भ्रस	ध्वास	मास	नाक
প্লক	क्षूक	🝃 ব্যক্তি	ব্যক	त्यक्
শ্লিক	হোষা	李等	**	44
	F M	. 1		

[ 8 ]

#### to ]

ভাৰত বিশ্ব স্পাদ স্পান্ত স্বচ্চ স্বান্তি ক্ষান্ত কিলা।

#### **रल এবং স্বরযুক্ত চতুরক্ষর শব্দাঃ।**

কন্বুগ্রীব কন্তুপক কৰ্মসাক্ষী क्येमृत्र কাৰ্ডবীৰ্যা কার্যাদক কিন্নরেশ कालिकौष्ट् -किश्रम हो कुष्ठारिक। কীৰ্ত্তিমান কুশস্বী কুর্মরাজ কুচ্ছ,গত খড়াকে য शक्रम्यो গৌরীপুজ গ্ৰন্থকৰ্ত্তা ভাণে স্থিয় চক্ৰান্ত জমুদ্বীপ চিস্তামণি <u>ৰোতিশক</u> <u>जस्टिमी</u> তীক্ষকক वासक्छे **छेक्र**भावा তলম্পর্শ তুণ্কস্ত তেজক্তর **ৰি**ষাম্পতি म सक्ष **তু**শ্চরিত্র मीर्घ श्रीव मिक । ग्र ত্ৰবৈপাষ্য थर्माध्य की ধৰ্মাধাক कुष्भू धर्ष <u>ৰিজোত্তম</u> প্ৰগভ निर्का गन নিদ্বাশিত নূপাত্যজ পাশ্ব খ্ল পোষ্ট্ ধর পরিচ্ছন , পূর্ণকুম্ব প্রোষ্ঠপদ প্রস্কৃতিত वसीमान! বক্তপুল্প বহিগভ; वक्रमान বহিদেশ वर्षेत्रुष्मा -বাৰ্ভাবহ বিশ্বভণ্ড বাহদন্তী ৰানস্পূত্য

#### [ ( ( )

विकुशमी. बबाटयां भी বিশ্বৰূপ বিশ্বস্থর ভবাস্থ্যি ভর্ত্বহরি ভস্মগন্ধা ব্যোমকেশ ভিকাজীবী ভূমিকম্প 'মণিবন্ধ ভিন্নভাব ्रुकाननी মতিচ্ন मञ्देशन মেচ্ছকন্দ युक्ततव या काटमनी ্যক্ত দেশ रमुश्र রত্বদ্বীপ রত্বগর্ভা যুধি**হি**র রণভূষ্য রোহিতাশ্ব লজাশীল লক্ষীকান্ত ल एशा पत শ্রপক শক্তিপাণি শ্বেতচ্চদ अंबादकां व मश्रुषीश **मक्कीर्जन** সঞ্চারিণী **नका** किल ्भन्भामस गर्वमर्गी **स्**र्यामि ক্ষাৰুহ হরিশ্চন্দ্র या जातिक ক্ৰুৰ্ত্তিমান **रश्र**क्ष কার সিন্ধু क्षेथुक হৈমস্তিক হস্তিকক্য ক্ষুদ্রত ।

#### হল এবং স্বয়যুক্ত পঞ্চাক্ষর শব্দাঃ।

কমঠপৃষ্ঠ	কজ্জলবৰ্ণ	কামৰপঞ্
` .	/	
<b>কুপণভোষ্ঠ</b>	কেশমাজ্জন	थड़े। कर्
গঙ্গাসাগর	গম্ভীরন্তল	গাভীগ্যযুক্ত
গিরীন্ত্রশৃঙ্গ	घन्छ। यो पन	ঘর্মক

#### [ 68 ]

**उत्पर्वनम**ि ঘশ্যবিশিত ঘোরসঙ্গাম হিন্নমস্তক চৌর্যাকরণ रेज्ञनायुक জলপ্লাবিভ टेकनमग्रर करियारन তদ্রবাগীশ ডিভিমবাস্ **শঙ্কারশব্দ** তীর্থভ্রমণ ভপস্যাযুক্ত তিরক্ষারক ভূ**ফ**ারহিত ভৃগ্ডিবিশিক जूत्रवर्वन ধনগ্ৰিত ছুম্মু ভিবাদ্য মঞ্জাহণ নীতিশিকক নিরহঙ্কার शुंख त्रभूष्श পৌগপ্তাবস্থা প্রমানন্দ श्रूकनक वा বস্ত্রর ঞ্জব প্রীতিবর্গন প্রেমতরঞ্ ভেকনিস বুদ্ধিবিশিষ্ট 'বৌদ্ধমতত রক্ষাকারব যাগমগুপ मा मक्खवा শস্কারহিং नुश्रविकाः লাঞ্চলধর সদ্বিবেচ **ষষ্ঠব**ধীয় শোকভঞ্জন হরিভাব হরিণশ্র সন্তক্ত চিত্ত **কু**ধাপীড়িত কীণশরীর কিভিপালক

रल धवः खन्नशूक बङ्कन भनाः।

আকালকুয়াও অকিঞ্ছিৎকর অন্ত্র্পার্থ অকারকতৈল অকুলীপঞ্চক অটালিকাকা অভিভিনশ্স वंगस्य विवय जनक सुसर व्यश्री क्रमर्भ न অশ্বমহিষিকা অস্ত্রচিকিৎসা অকিল্পর্চনা আপাদমস্তক इस्ट्रां भकी है ইন্দিরদোচর উচ্ছিষ্টভোজন <u>তত্ত্রকোশলা</u> উর্বশীরমণ ঋষ্যমূকশৃক্ষ এতদনত্র কজলরে চক কাঞ্চননগরী का निष्मी द छमन কুৰুটমগুপ কুম্বীরমক্ষিক।

অধে জিহ্নিক অনিমিষাচার্য্য **अस्यम्**दकाय অভোধিবনত অশ্বিনীকুমার অক্ষয়ভূতীয়| আনকন্ধুন্ত্ৰ ভি আরক্তলোচন ইন্সজিবিজয়ী जेश्वत्राधन উৎকোচগ্ৰাহী উন্নতনাসিকা **উঞ্চা**ভিগমন থাষ্যশঙ্ক মুত ঐকান্তিক : ক্রি কন্টকারীহৃত্ কার্ত্তিকেয় প্রস্থ কিম্পু ৰুব্বৰ্ষ কুন্তুল বৰ্ণন कूत्रक्रनम्ब

অ্ব্যাবাহনিক **जीश**त्रवान অপবিদ্বপুত अर्गक्म नित्र অসমীক্ষ্যকারী আকর্ণনয়ন আ্ৰন্দ প্ৰভাব **इन्फि**त्रामिक्त **रेख**वाकृ िक। जेगा पखरखी উত্তমসাহস উপরতম্পৃহ उर्काटना कवा जो একোদিক আদ্ধ ওষ্ঠাগতপ্রাণ কনকদপ্তক কালান্তরবিষ কিন্ধিদ্ব্যাধিপতি কুমুদব বিব কুটাৰ্শভাবিতা

কৃত ভিজনক কৌশলান্দন গন্ধবিপতি नीका गकुरू म -গোবর্দ্ধনধারী **ठक्किविश्क्रम**् চৰ্মপ্ৰসেবকু ছন্দকপাত্ৰ *सर्वामकं* डिल् তত্ত্বাবধারক তারাশুদ্ধিকর ত্রিদশদীর্ঘিক। দশমুখা শুক হৈত্যনিস্দন নিশুস্তমর্দিনী পদ্মপলাশাকি পরম্পরাগত পরিস্পন্দমান পাৰ্কতীনন্দন পুষ্পকরণ্ডিনী

क्रकाउक्रमा খগেন্দ্বাহন গর্ভিণ্যবেক্ষণ গুণোংকার্ত্তন চক্রপুষ্করিণী চম্পককলিকা চিত্তপ্ৰসন্নতা ছিদ্রানুসন্ধান জাতিশ্বরপক্ষী তমুসঞ্চারিণী তামুলকরস্ক **मञ्जू**रमाश्रमा দাক্ষায়ণীপতি षाम्भाता हन নৃপতিবল্লভ পদাবতীপ্রিয় পরাহোপজীবী পাঞ্জন্যধর পুরুষকুঞ্জর পুর্মদিকপৃতি

কোকনদচ্ছবি शक्रकी मन গান্ধবিবাহ গৃহাবগ্রহিণী চন্দনশারিক চর মন্মাভূৎ চুমকপ্রস্তর जनकर्ना सन জুগুপিসতকর্ণ ভগুসুরাকুও ভুরঞ্বদ• দশকর্ম জিং দেবকী নন্দ নারীভরঞ্চ পঞ্চমহায়ঃ পদ্মনীবল পরিণামদর্শ পানীয়পৃষ্ঠ পুষ্করকর্ণিৰ প্রতিপালিত

প্রত্যন্তপর্মত প্রতাকপ্রমাণ বদরিকাশ্রম প্ৰাসাদকুৰুট বল্লভপালক বসন্তকুসুম বিল্লেশবাহন विलामय फित বীরজয়ব্ডিক; রুদ্ধবিভীতক ' ত্ৰা**ন্ধণ**য**টি**কা বৈরনির্যাভন ভট্টারকবার ভরতপুত্রক ভাষাপরিচ্ছেদ মঞ্চলচপ্তিকা মধ্যমভূতক মধ্যলে কৈশ্বর মুগেন্দ্র চটক যতিচ|জায়ণ রস্কর বীর রসায়নভ্রেষ্ঠ लक्की माता श्र শকুল্লাঅজ শিবচতুর্দশী শেষরসূদন শ্বশানবাদিনী সঙ্গামপ্টহ সম্পেহারক সমুদ্রর সন শলিলকু স্তল সারস্বতত্তত स्राक्षिकुस्म सूर्यान्छ्नक्र म হরিহরাত্মক হিমাজিতনয়া

প্রসব্যক্ষর বন্দ্ৰমালিকা বিশ্ববিনাশক বিশ্বাস্ঘাতক ब्रमावदनश्रव ভক্তিরসালাপ-ভারত্বাজ্ঞাবি মতাবলম্বন गरां कले किमी যৌবনলক্ষণ রাজস্য়য়ত <u>भक्रश्र</u>क्षन्त्री শোভাঞ্জনরৃক্ষ गरमा यक्षमक गर्का क्रसूप्पत जीयद्यां ब्रह्म **इ**तिग**ःकीर्खन** কীরাকিতনয়।।

#### [ 00 ]

#### স্পাধি ও পদ্ধতির সহিত মনুষ্যের নাম

#### অধাপক।

्सी वाक्त्रहत्व प्रत्मर्था । औहे कू जूषण विमावां भी न। " रेक्कास विशाजुवर। ''' অচিন্তারাম তর্কচুড়ামণি। " অচ্যুতানশ তর্কশিরোমণি '' ঈশানচন্দ্ৰ বিদ্যাপঞ্চানন " অবৈক্তচরণ তর্কালকার। " के धंत्रक विमानिधि। " जैसरीक्षमांव विवासिकांत " অনম্ভরাম তর্কপঞ্চানন। '' অকুপখনারায়ণ তর্কভূষণ। " উৎস্বানন্দ বিদ্যাসার। " অপ্রবাদ তক্সিদান্ত। " जैमयहट्य विमानियांत्र। " অভয়াচরণ তর্কবাচম্পতি। " উদয়নারায়ণ বিদ্যাপ্র। " অভিরাম তর্কবাগীশ। " উদয়রাম সিজান্তশিরোম্ " অবোধ্যারাম তর্কসরস্বন্ধী। '' উদ্ধবচন্দ্রসিদ্ধান্তবাচস্পদি " अट्यांक्द्राम नहांग्रम्थानन। ''উপেজনারায়ণ সিদ্ধান " অক্সাচন্দ্র নায়বাচস্পতি। शकानन । " আ खांद्रांग नाम्रत्य । " डेमाकांख निकायवांभीन क आचाराम नाम्नाकाद। '' উমাচরণ সিদ্ধান্তলেখর। क व्यामकहळा नाविदांशीन। ণ উমানন্দন বাক্পভি। ी कानिसिताम नगात्र कृतन । ' উমাপতি সার্ব্বভৌম। " আশারাম বিনারের। '' উरमनहस्र जानमदांगीन " हेव्हादाम विमाविक म्लिं। '' क्यान्क जनकात्वांशीन।

ক্ষমকরাম ভক্রবাগীশ। কন্দর্পরাম সভাপতি। वनदर्गाहन (श्रीश्रामी। ' ক্ষলাকান্ত ভট্টাচার্যা। পশ্চিম দেশীয় অধা পক। ' काखिकक बिदवही। কামদের ক্রিবেদী। 'कानिकाश्चनाम छजुदर्सभी। ' কালিদাস অগ্নিহোত্রী। " কানীক্রফ বাজপের। '' কালীকিন্ধর উপাধ্যায়। " কানীকুমার ভট্ট। " কালীচরণ মিশা। " কানীপ্রসাদ দীক্ষিত। " কালীশকর পাঠক। " কাশীনাধ পাঁড়ে। ্ৰ কাশীৱাৰ পণ্ডিত। '' কিশোরীমোহন অবস্থী। '' কীন্তিচন্দ্র ওবা। " কুঞ্চবিহারী শান্তী। " क्वस्य सङ्ग । '्र

বাদীয় ব্ৰাক্ষণঞ क्षिकृरवज्ञास मूर्याशांशांत्र। " कुशांतीम वटनांशीशांत्र। " कुक्कांख हर्त्वोभोधांत्र। ' কুফ্কিজর গলোপাখার। " क्रकंकिटमांत्र (यावदांग। " ক্লফল্ল গড়গড়। ' ক্লফ্লাস কেশরকোণী। '' ক্লফধন কুলভী। '' क्रुकश्रमाण मीर्चारि। " ক্লফমোহন পারিয়াল। '' কুক্সখা হড়। " কুফানন্দ গুড়। " কুফবলত পীতমধী। '' কেদারনাথ দিগুলিমায়ী। " কেদারেখর পিপ্পলী। " কেবলরাম রায়ী। " কেশবরাম কুন্দ। '' देकनामहळ चट्छेषत्। " (कीमनानिष्यन कोश्चितांग। " थटशक्तनातात्रण महिन्छा। " बफ्रामंत्र श्विष्ट। " খেলারাম চোটবভী।

बीर्याम्हानम्ब भनगारे। ে গ্রন্থাকিলোর পাকড়াসি। " शकादभाविक शांवधि। " পঞ্চানারায়ণ তৈলবাটী। " সঙ্গাধর কুগুড়ি। " भन्नो अभान वर्षे वर्गन। " शक्रादाम मामहिक। " भरक्टानातात्र । ठाकूत। " গণপতি চক্রবর্ন্তী। '' গণেশ পাঠক। " भेनांधत व्याहार्या। वाद्यक खांका। " शक्तक देवजा '' প্রয়ারাম ভীমকানী। '' गिडीभहस्य क्रायवांक्छि। '' ভরচরণ সাধুবাক্চি। " अक्रमञ्जूष नामगण। '' धक्रमाम नाहिष्ठि। " গুৰুপ্ৰসাদ ভাতুড়ি। " গৌকুগচন্দ্ৰ ভাগড়। " (श्रींशीनहळा हल्लांहै। '' গোপীক্লফ ৰাস্পটি।

ঞ্জীপোপীযোহন লাউড়িয়া " भावस्वनधात्री कत्रकः। " भाविक्षास्य नक्तवात्री। '' সোৱাহাঁদ ভট্টসালী। " भागावहळ काल। " গোৰোকচন্দ্ৰ ভগাই। कतिय। " (भारकाकनाथ वन्त्रा । '' গোলোকমোহন ত্রাভা " গৌরদোহন মেহরে। '' গৌরহরি কপ্র। " গৌরাঞ্চন্দ্র লেট। " গৌরীকান্ত খন্ম। '' গৌরীচরণ বেড়ে। ' भोती धर्मान नक छ्। " গৌরীশঙ্কর কোহনী। " घटियत (महभन्। " यनमाम वहूदा। " চন্ডীচরণ মহেক্স। '' इखी अमान छेन्शन। প্রভুজ প্রচারে। " इसकांख देखना

देवमा ।

গ্রীচন্দ্র ভাষা।

'' চত্ৰপতি দত্ত।

" চন্দ্ৰমণি ভুতি।

" हट्यदर्भार्न अभेद अग्रांता।

" कक्षरमध्य ब्र**स्था**शी।

" চারদক্র ওজরাতী।

" চিত্রপতি মহেসরী!

চিন্তামণি রোভগী।

' চুণীলাল কর ওয়ালী।

' চূড়ামণি অগবহরী

ে চৈভন্যচরণ পরদারী।

ছেত্রধর কসুদন্।

' অপক্ষক্র গৌরহর।

देवला ।

' क्रभागम विभावन।

' অগদীশ কণ্ঠাভরণ।

্ অগদুর্ল ভ সভাভরণ।

জগদস্কু ধমন্তরি।

অগংলভ কবিভূষ্ণ।

অগনাখ কবিচজ ।

क्रात्याहन कवित्रत्र ।

----

क्रनार्फन कविकर्भश्रत।

**बिक्नदम्बद्ध करिट्यस्त्र**।

" अग्रकृत कविदश्र ।

'' अग्रद्धां भाग करीता।

" अग्रष्ठक कंवित्रांशः।

'' अग्रनाताग्रन कर्श्च्यन।

" অয়ন্তীরাম রত্নতুষণ।

" अग्रमनि देवशात्रां ।

· " अत्रवाम देवनामिटवामि ।

'' अग्रहति देवत्मांख्य।

" जानकीताम देवमात्रज्ञ।

. '' आनकीवल उ देवगां दिनक।

" किलाताम देवदमाळा।

" कौवनकृष देवनातृष्ठांमनि।

" वार्ष्यव देवगाठळ।

" টীকারাম সেন।

" ठोकूबमांन मान ।

" ডांगद्यसंत्र करें।

" ঢু ণিরাজ দত্ত :

'' ভপসারাম দেব।

" ভারকনাথ কর।

" ভারাচন্দ্র রাজ।

'' ভারাপ্রসাদ সোম।

'' ভারিণাচরণ নদী।

ा जिनकाम हता প ভুলসীরাম ধর। ে তোতাবাম কুগু। ংল ত্রিপুরাচরণ রক্ষিত। প ত্রিপুরামোহন বরাট। कांत्र । क्षित्रतामुलद (योष ! ে ত্রিলোচন বসু। क वर्षात्रीय जिला। er म्यांशहक (मव। " मर्भनात्राञ्च मरा ণ দাভারাম কর। " দামোদর পালিত। " দিগত্ব সেন। " पिरांकत जिल्हा , " मीननांश मांग। " हीनदक्ष ७ है। ে দীপচন্দ্র রাহা। " फुर्शिहत्व दुनाम । " তুর্পাপ্রসাম বৃক্ষিত। " कुर्द्याभन गार्ग। '' তুল্ল ভরাম অর্থব।

" छुटेमयन त्रांधा। " (मवनाथ हळा। '' দেবনারায়ণ হেড়ি। प (पवीहर्व स्त्री। ग (सवीमांज भर । प्रविध्नाम धर्नी। '' (मटबस्मनात्रांग्रन वान। " देववकीनम्म आइक। " ছারিকানাথ পই। " धनक्षर मूह । । ধনপতি সাম। । ধর্ণীধর ভঞ্জ। " धर्म्मनोम विन्त । " পুরন্ধর বল। • ''নন্দকিলোর পাল। '' नमक्षोत्र भिन। " मस्युक्तां व हेळा। '' नम्पत्रीय क्षेष्ठं। " নন্দলাল গুড। " नवक्षांत्र (गांध। " नवकृष्ण भन्दी। " नवरेहलना वर्मा। श्रीनवीनहस्य थिन। " नश्नीनहट्य दूरे। " नत्रनहळ पूरे। ' নরনারায়ণ ক্রা '' নরহরি আ'দিতা। ' नदब्रस विकृ। " নরোভ্য নাগ। ' নারায়ণদাস ভাত। ' নিত্যানশ ওম। 'নিধিরাম বন্ধর : নিভাইচল নাথ ' नियां हे हद्र गाँहे। 'নিরঞ্জন হেশ। ' नीलकर्श मन। িনীলকমল গণ্ড। ণ নীলমণি প্রাণা। 'নীলুমাধব রাহুত। 'नीलांचत याम। ্ৰপঞ্চানন সানা। ' পদ্মনাভ দাহা। পদ্মলোচন দানা। প্রনচন্দ্র গণ। পর্মানন্দ রক।

**बिश्रद्रयम् इ छेश्रा**न । " পরশুরাম কেমি। " পরীক্ষিত অস্তার। " शांशीनांन बद्र। " পাৰ্ব্বভীচরণ ওষ। "পাৰ্ব্বতীনাথ বীদ। " পীডাম্বর ডেঅ। '' भूद्रमद योग। " পুরুষোত্তম শক্তি। ' पूर्वहळ (क्मा) '' পূৰ্ণানন্দ ডুত। " পৃথীধর ব্রহ্ম। " প্যারীমোহন শান। " প্रकां भहस (रूम। " প্রতাপাদিতা বর্জন। " अञ्चान करे। " अमस्कूयांत्र कीर्छि। '' প্রাণক্লফ ধরুগু প। " श्रांगनांथ यम। " প্রাণবলভ কুও। 'ুপ্রেমচন্দ্র শীন। ৰোক্টা কায়েত। " প্রেমনারায়ণ মাথুর।

अक्रकीबह्य छहेगान्य। '' ক্ৰিভূষণ শ্ৰীবাস্তব। द वश्मीध्य मक्रमना। ं वरभीवमन खेठाना। ্" বন্ধবিহারী মৌড়। " वमनहस्य कर्न। '' यनगानी अन्नर्छ। ্রেকীরাম কুলপ্রেষ্ঠ। প্রবাজন্ত নিগম। " बनदाम वानमीक। '' বাঞ্বাম স্থাধল। " বাণীকণ্ঠ ঊনায়া। (5)191 ' বাণীকুমার সূর। " दात्रानभीमाम निरम्नाभी। " বালকরাম বিশাস। " वानक्रम भान। '' বাসুদেব পাঁজা। "्विषयकृषः (षांव। " विमाधित भूत्रकारेख। "" বিনায়ক বড়াল। " विदनाप्तिकांकी शान। "বিপ্রদাস পড়িয়াল।

ত্ৰীবিখনাৰ কলিয়া। '' বিশ্বস্তর সাঁতরা। '' বিষেশ্ব সামস্ত । " विकृशम माँकूरे। '' বিষ্ণুরাম বাগাঞী। '' বীরভক্ত কুঙর। यांनी।-'' वीद्यव्यनांत्रायन मामाः " বীরেশর শেঠ। '' বুন্দাবনচন্দ্ৰ মালিক। " वृष्णावनदिश्वी १७। " रेककूशनाथ कत्र। '' বৈদ্যনাথ দাস। " देवकवहद्रव भाग। टेजनी। ্ব ব্ৰহ্মকিশোর কুগু। " उक्रनांच ननी। " ব্ৰহ্মত দেব। "বৰ্তমাহন প্ৰাণ '' ব্ৰহ্মানন্দ লেষ্ট। '' ভগবভীচরণ ছিলিমিলি " ভগবান্চক্ত মারা। ''खगीवथ जाम।

# ভন্নী। **बि**ख्याह्य होता। " ভবানন্দ দন্ত। ' ভবানীচরণ দেব। ' ভবানীপ্রসাদ সেন। ' ভবানীশকর সি<u>ং</u>হ i " ভরতচ্চ পাল। ' ভাগবভচন্দ্র কর। ' ভারতচন্দ্র নন্দী। ' जीयदमन भीन। '' ভুবনমোহন ভড়। '' जुवदनश्व हट्यः " ভূপতি আশ। 🕆 বৈভর বচন্দ্র তোষ। 🕆 ভৈর্বীচরণ গুই। ' ভোলানাথ গুজুরি। ' মদনমোহন মারা। '' यध्स्मन क्छ। " মনসারাম ভক্ত। '' মনোহর লাহা। '' মহাদেব বীর। " महरूखनांथ करें। '' মহেন্দ্রবায়ণ রক্ষিত।

**बियानिकाह्य प्राकृति।** '' মাধ্বচন্দ্ৰ ম্কিড়। '' মাধবরাম শেষ্ট। ' মুকুটমণি বসাক। (মাদক। া মুকুন্দরাম ঢাকী। " युकुन्सानन मोहा। '' মুক্তারাম দাস। '' মুরলীধর ধাড়া। '' মুরুহর আশপতি। " স্ত্যঞ্য বাৰ। া মোহনচন্দ্ৰ মালিক। " (योड्न अजान नोर्भ ! " याहिनीयाहन शांनी " यटकाचत नाष्ट्र। বারজী। " यक्नमन नम्ही। '' ষত্তনাথ দেব। ' गमुनानाम नख। " यटमामानम्मन कूछ। " যশোধর আশ। " योगवत्रक छहे। " योषवीनक मूना।

क्रिकांगद्वस शाम। ंकृगांग। " बुशनकिटमात्र शान। " যুধিষ্টির কুও। " त्रघूनम्मन होक। "রম্বনাথ সিগিড়ী। কর্মকার। ে হতিকান্ত দাস। " अभागाथ मुख्य । '' রমাবলভ মাথুর। '' রজেখর সাহা। '' त्राथ्य भीन। " तमगय ताच। " বুসিকলাল সেন। " दशिक शोश्न कू हिना।। '' রাঘবরাম দেব। " রাজকিলোর গাছু। নাপিত। " शंखक्रक शंष्ठा। '' व्राक्षनावात्रन थटलेन । '' রাজবলভ বাঘ। ' রাজারাম দাস। " द्रारक्यनाद्रांमण द्राणी। গ্রীরাজীবলোচন চম্র । " রাধাকান্ত মার্মা। '' রাধাকিশোর লাহা। '' রাধাক্নক বেজ। গন্ধবৰ্ণিক। '' রাধার্মণ দক্ত। '' রাধানাথ পাল। '' রাধাঞ্জনাদ সিংহ। '' রাধামধিব সেন। " द्रांधाटमाह्न माम । '' রাধিকাদাস রুদ্র। " রামকমল কর। '' রামকানাই কুগু। '' রামকান্ত ভদ্র। " বামকিকর দা। ্ৰ' রামকিশোর সাহা '' রামকুমার ছেঁক্চি ৷ " রামক্রফ নাগ। "বামগতি লাহা। कश्मकात्। " वागदभाभाग पत " त्रांबह्य छरे। " जांगहजन (सर् ।

श्रीवामनीवन मन्ती। " রামতত্ব দাস। " রামর্ভন নন্দন। चेनी। " রামভোষণ কুও। '' दोयशंज कुड्दा। ' রামতুলাল কেশ। " রাম্বন ভা। িরামনাথ পাল। ' রামন্সিংহ ০ও। ' রামনিধি পো! ''বামপতি সাম। " द्रांभक्षभाग (मद তাম্বনী। '' রাখপ্রাণ সিংহ। " বামভান বিক্ত। র্ণ রামমোহন দেব। '' রামরত্র আশ। ''রামরাহ্ব গুহ। ্রমশক্ষর কু 😢 । র্ণা রামশরণ কর।

'' রামদেবক পাল।

''রামছরি নন্দী।

श्रीवायांनम भानार। '' রামেশ্র 🎺 है। '' রাসবিহারী সেন। " ক্ৰিণীকান্ত সভা শঙাক ব " क्रिकीनांथ हाँम। " কপচন্দ্র ভঞ । ' কপনাবায়ণ কুগু! ''' র পরাম দক্ত। র্ণ রেবতী রমণ চক্র। '' भटल हित समी। " লখা বস্থা। रेकवर्छ। " बचीनांछ बाग। ं वधीनांबायन श्रीहरू।। " नानविशाती जानक। '' লোকনাথ বাঘ। ' अक्र शक्ता শক্তন গোল। " শস্তুচক্র বারিক। '' শঙ্গুনাথ সাঁতরা। '' শশিশেশর কলিয়া। ''শান্তিরাম মাড়।

श्रीनिवक्रक माना।

্সুবর্ণবর্ণিক।

" निवहन्द्र (पव।

'' শিবদয়াল দত।

" শিবদাস ধর।

'' শিবরাম লাহা।।

" শেভারাম দেন।

<sup>66</sup> अंतिक भूत्मत्र नन्ती।

" শ্রামাচরণ পাল।

" শ্যাখাপ্ৰসাদ বৰ্জন।

" ঐকান্ত নাথ।

" औद्गक চন্দ্ৰ।

" জ্রীদামচল্ড বড়াল।

" শ্রীনাথ আচ্য।

🕈 ঞ্জীন 🖂 যাণ শীল।

" श्रीनिवाम मिर्ह।

" প্রায় দাস।

" बीপ कि मा।

" ঐহির পাণি।

दिवशी।

" औश्र्य त्रांत्रतात्रान्।

" ষষ্ঠীদাস কান্ত্ন গো।

" সদাশিব মজুমদার !

শ্রীসদানল রায়।

" সনাতন চৌধুৰী।

" সর্কানস্থ বিশাস।

'' সরূপচন্দ্র শিক্ষার '' সর্কেশ্বর দেওয়ান

" সারদাঞ্চাদ নায়ে

" সীভানাথ পেস্কার

" সীভারাম কার্কুন

" যুবলচঞ্চ হাভয়ালং

" সুব্রহ্মণা করোরী।

" ভূর্যকুমার হাজরা

" সৃষ্টিধর ব্যবহর্তা।

" হরকুমার সর**ে**খল " করকে মাধ্যকি

"হর*চ*ক্রমাহাতি ৄু "হরনারায়ণ পাটিও

" হরলাল মুহরির।

" হরানন্দ মুন্দী।

" इतिस्त वक्नी।

" হরিনারাণ ন।জীর

" হরিমোহন জ্বাদা

" इतिकट्ट ग्रा .

'' रुबिंरत नकत्।

" रदाकृष चूँ श।

#### [ 59 ]

#### बीहर्वानम् महित।

- ' হলধর খাঁ।
- হীরারাম সরকার।
- ' क्रमग्राम मखन।
- স্থীকেশ প্রামাণিক।
- ' ক্মেচন্দ্র ভবাপাত্র।

- গ্রীহেরম্বচন্দ্র মহাপার। 🖰
- " ক্ষেত্রপাল ক্রেডিনী।
- " ক্ষেত্রযোহন অধিকারী।
- " ক্ষেমকর ফৌলদার।
- '' ক্ষেচন্দ্র তর্ধদার।
- " (ক্মানন্দ কেরানী।

## সংখ্যা পুরণ বাচক।

ेलना	প্রথম"	যোল এ	ষোজনঃ
দোশরা ,	<b>क्रिं</b> दः	সতের জ্ঞি	म्लुम्बाः
হেস্বঃ	<u> কৃতী</u> য়ঃ	আঠার পি	असे मनः
कोंग	<b>০ তু</b> ৰ্থঃ	उनिमा	উনবিংশঃ
ertotia?	क्षक्रमः	বিশা	বিংশ:
ছয়'ঞি	বর্ভঃ	একইশা	একবিংশঃ
<u> শৃত্তি</u>	<i>ব</i> প্তমং	বাইশা	দাবিংশ:
विविध	অষ্টমং	তেইশা	ত্রয়েবিংশঃ
ন্যুঞি	নব্মঃ	<u>চৰিকশা</u>	<u>চতুর্বিরংশ</u> ঃ
मभाष्या	प्रवाह	পঁচিশা	পঞ্চবিংশং
এগারভা	একাদশঃ	হাকিশা	বড় <b>্বিংশঃ</b>
বার ত্রি	खाम भाः	সাতাইশা	নপ্রবিংশঃ
েচর ঞি	ত্রোদশঃ	আটাইশা	ভাষ্টাবিংশঃ
চৌদ ঞি	চতুর্দ্দশঃ	উনতিশা	উনতিংশঃ
পোনের্জি	পঞ্চদশঃ	ত্রিশা	কিংশঃ

66

## भःशा जवः छ। अ।

	·	
এক	5	একঃ
इंटे	ط	ৰে
<u>তিন</u>	-9	ত্রয়;
চারি	8	ह <b>र्ना</b> तः
পাঁচ	Ġ	প্র
<b>≅</b> i	.%	म हिं
<b>সাত</b>	9	गलु
व्यक्ति	<b>b</b>	कार्यः
नव	150)	নব
th sel	>-	Wal
এগার	35	<b>बकार</b> म्
বার	25	E. Bal
ভের	>\$	विकारम
চৌদ্দ	>8	চতুৰ্দ্দশ্
পোনের	>¢	र्श्वश्वम्
त्यांन	20	ষোড়শ
সতের	59	महा कर
আঠার	. 3 <del>b</del>	অফ দশ
উনিশ	\$2	উনবিংশতিঃ

T	৬৯	1
		د.

•		
বিশ-কুড়ি	र्व	বিংখাতিঃ
একুইশ	2.5	একবিংশতিঃ
বাইশ	53	দানিংশকিং
(B)	२७	ত্রয়োবিংশতিঃ
र, "त्राक"	23	চতুর্বিংশতিঃ
416m	2,0	প্রধবিংশতিঃ
5 17 AT #	20	ষড় বিংশতি
মাতাইশ	<b>₹</b> 9	সগুবিংশতিঃ
معبريه	₹ <b>∀</b>	অষ্ঠ†বিংশকিঃ
जिला तेला	<b>6</b> 5	উনবিংশৎ
রিশ	30	ত্রি:শং
এক ত্রিশ	৩১	একবিংশ্ৎ
ল <b>ি</b> এশ	৩২	कांजिः भट
্ভিত্ৰিশ	೨೨	্রুসাপ্তংশৎ,
টোবিশ	<b>৩</b> ৪	চতু সংশৎ
প্ইবিশ	<b>ા</b>	अक्षांकर मध
ছত্তিশ	აუ	वर्षे कि । भाग
সঁ†ইত্রিশ	59	নহাতি শেৎ
অটি তিশ	<b>.</b> चट	<b>অফা</b> ত্রিংশৎ
উনচ <b>লিশ</b>	ಡಲ	উনচন্থারিংশৎ
Outlean.		waste william ( )

2-6-20	34	চন্থারিংশং
<b>চলিশ</b>		একচন্থারিংশং
<b>একচল্লিশ</b>	8.2	
বেয়ালিশ	કર	দ্যা বারিংশৎ
ভেড্ৰালশ	8*	তিহেরিং <b>শ্ৎ</b>
<u>হৌশ্লাল</u> শ	88	চলুক্ত হারিংশং
से हर जिल्ल	31	ाक्षः श्रीतिः मध
<b>इ</b> हां लग	38	निकेश्वासि । नार
ল কচরিশ	ध्रद	मश्रा का जिल्मा
<b>কাটিচরিশ</b>	8 <b>%</b>	व्यक्षेत्रभा दिश्म्य
<b>海里老(44)</b>	5.75	母の神事
5-33-6	<b>(1</b> %	JAS INC
একার	67	3 stein sality
াক্রান	62	चिक्रामां
ভিগ্লাহ	æ3 `	国外的国
োটয়াল	<b>Q</b> S	Weight .
পঞ্চাল	æ	TAS BALKIC
ছাগাল	૯૭	যটি প্ৰথাশ
নাভান্ন	a 9	मल्डाका न
আটার	Cr	অন্তপ্তাশৎ
<b>উনবাইট</b>	49	উন্যাকীঃ

•	Ĺ	93	5
---	---	----	---

याहरी	≥:2	अधिः
<b>अक्स</b> िष्ठ	৬১	धक्य है।
गर्ग है	७२	দ্বিধ য়িঃ
তেণ িট	<b>క</b> ు	বিষ্ঠি:
ायि है	*8	চতুঃষ ফিঃ
Comment &	७० 🐪	প্রধান্তিঃ
ह्वा ह	1989	ষ্ট্ৰটিঃ
मुख्या है	Sec. sep	সপ্তয়ফিঃ
आहेगा है	20	क्षां विश्व
<b>केन</b> गलत	8:2	উনদপ্ততিং
गुरुक	4	সপ্ততি:
शक्त । इत	93	<b>अक्टल</b> िहर
ব'ওহাত্ত	\$ P	দ্বিসংক্ষতিঃ
ভেন্ন	Sag 1992	বিন্দুত্তিঃ
চৌর বির	4×	<u> ভুঃসপ্তাতিঃ</u>
প্তারের	÷11	প্রস্থাতিঃ
ছেয়াপুর	₹35	ষ্ট্ৰপ্ততিঃ
নাভাত্তর	9	नशुमश्रकिः
অটোন্তন	GA.	<b>जकेन</b> शकिः
উনতাশী	92	উনাশীতি
		-

# 

bo	ভাশী জিঃ
۶.	একাশীতিং
<b>b</b> ?	ছা <b>শী তি</b> ঃ
br 3	<b>ন্ত্ৰা</b> শীতিঃ
<b>b</b> 8	চভূরশী ডিঃ
pa	প্রশ্বীতিঃ
F3	सङ्गीर्क,
<b>৮</b> %	मशुनी कि
44	সভীশীকি
दर	<b>उननव</b> िः
ن ن	<b>स</b> त्रिः
इंद	<u> चत्रमयां जर्ग</u>
56	किंगर कि
7.5	<b>ত্রিন্</b> বতিং
रुप्त	एक्स रिटः
रुत	श्राक्षमर कि
ويت	ষপুর কি
PG	সভানবাতঃ
<b>च</b>	অন্তন্ত তি
कर्त,	লবনব্ <u>ডি</u> ঃ
	ない かん なん

A & ১০০০ সহস্র राजात দশহাজার > : र प्राप्त नाक プロウステヤ のはかから ५०००० सिश्चर দশ্লাক Some real ATTES (A) লশকোর Serverce stage. u কলাওতেনার Joen neer Labes . C. E C. C. C. C. अर्दाः ্জারকোর ' २८८५८६६६ निश्रक्षेः দশহাজারতে র ないしんとしているいの 神動さ লাক দেৰি Jeers conceed with দশলাক্তোর একশগুলাকভোর ३००८-१८०१ ४०००० मान्तः राजातनाकाकात ३:०००००००० जानाः महाकातलाकरकांत > ००००००००००००० मधा দাকলাককেব্য ১০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০

একং দশ শত্তিধন সহস্র মসুতং তথা।
লক্ষণ নিযুতং চৈব কোটিরর্ব্দুদ মেনচ।
রুদ্ধঃ ধর্কো নিথকাত শঙ্খ প্রোচ সাগরঃ।
অন্ত্যং মধাং প্রার্কিঞ্চ দশর্দ্ধা যথাক্রমং।।

## [ 48 ]

#### কাল নিণ্য।

श्रक्तिय हक्ष्णास्त्र कार्णत नाम निरम । विविद्य कर्षा, २० कार्षाए कला, २० कलाए कः ५ कर्ष एक अधना ५० विश्रास शल, ५० श्रास मर २ मरक स्कृत, ५० स्कृष्टि विश्वा ५० मरक मिना तार्ट १६ वि. श्रक, २ श्रक किशा ५० मिरन मान, गारम श्रद्ध, २ श्रम् किशा ५ मारम अग्रन २ कहर किशा ५२ गारम उरम्ब इत्र।

#### বার।

রবি। সোম। নকল। বুধ। রহস্পতি। শুক্র। শা এবং রাজ ও কেতুর সহিত নবগ্রহ সংজ্ঞা হয়।

## তিথি।

প্রতিপং। দিতীয়া। কুজীয়া। চতুর্থী। পঞ্চমী ধর্কা। সপ্রমী। অর্ক্রমী। নবমী। দশমী। একাদশী দাদশী। ক্রেমানশী। চতুর্দ্ধনী। পূর্ণিমা ও জমানশা শাদকলা হৃদ্ধি কালাবধি পূর্ণদ্ধ হেতু প্রতিপদা পূর্ণিমা পর্যান্ত ১৫ তিথিকে শুক্রপক্ষ করে। এই চন্দ্রকলা হ্রাসভাবধি জদৃশ্বন্ধ হেতু প্রতিপদা শাদকলা হ্রাসভাবধি জদৃশ্বন্ধ হেতু প্রতিপদা শাদকলা হ্রাসভাবধি জদৃশ্বন্ধ হেতু প্রতিপদা শাদকা

## [ 9¢ ]

#### মাৰ।

বৈশাখ। জৈঠি। সাধাত। আৰু । ভাত্ত। আখিন। কার্ডিক। অগ্রহায়ণ। পৌন। মাঘ। কাগুন। চৈত্র। মান চারি প্রকার হয় সৌর; সাবন, চাকু, নাক্ত্র।

#### 一季五

অধিনী। ভরণী। কৃতিকা। রোহিণী। মৃগশিরা। আর্দ্রা। পুনর্কস্থা প্রাা। অপ্লেষা। মহা। পুর্কিন কর্ত্বনী। উত্তরক্ত্বনী। হস্তা। চিক্রা। সাতী। বিশাধা। অমুবাধা। জ্যেষা। হ্লা। পুর্কাবাচা। উত্তরশাচা। শুবণা। ধনিষা। শতভিষা। পুর্কভাত্রনি। উত্তরভাত্রপদা। বেবতী। এবং অভিকিৎ বহিত ২৮ নক্ষর হয়।

#### व्याच्या

বিশ্ব্র প্রতি। আয়ুয়ান। সৌভাগা। শোভন। অতিগণ্ড। সুকর্মা। ধৃতিঃ খূল। গণ্ড। রৃদ্ধি। প্রতা ব্যাঘাত। হর্ষণ। বক্স। অসুক। ব্যতীপাত। বরীয়ান। পরিষা শিব। সাধা। সিদ্ধি। শুভা শুক্র। বন্ধা। ইক্স: বৈপৃতি।

#### [ 48 ]

#### 751

বব। বাল্ব। কৌলব। তৈতিল। বণিজ। গর বিষ্টি। শকুনি। চতুপদ। কিরম্ম। নাগ। রাশি।

(समा द्रयः भिथुन। कर्कछ। मिश्ट। कना। जुना। इन्हिक। यहः। यकत्। कुछ। सीन।

ত্রিচলিত সংখ্যা হাচক শব্দের নাম।

কালত্রয়ের নাম। ভূত। ভবিষ্যৎ । বর্ভ্যান।

> গুণত্ত্রের নাম। বছা রজঃ। তমঃ।

লোকত্তমের নাম।

সর্গ। মতা। পাতাল।

প্রস্থা ত্রের নাম। বাল্যাবস্থা। যৌবনাবস্থা। সন্ধাবস্থা। অপ্রপক্ষে।

काजनवद्या। स्यूखावद्याः स्थावद्या।

ত্রিতাপের নাম। আধ্যাত্মিক। আধিভৌতিক। আধিনৈবিক।

্রিসন্ধার নাম। প্রায়। স্থায়। প্রায়।

চার্যু গের নাম। সভ্যা ভ্রেভা। ছাপ্র। কলি।

চতুর্বোদের নাম। থকা হজে: সংসা সংখ্য

श्वक्। रक्ः । माम। स्थर्भः

চতুর্কিধ ভূত গ্রামের ন†।। লবায়ুজ। অগুজ। সেদজ। উদ্ভিজ।

চতুর্বত্রর নাম।

তাৰণ। ক্ষতিয়। বৈশু। গৃত।

**ठलूकंटर्शत ग**ाभ।

বর্ম। অর্থ। কাম। মোক।

দতুর্কিব আশ্রমের নাম। ব্রহ্মচর্যা। গাইস্থা বানপ্রস্থা ভৈক্ষা।

> চতুরজিণী সেনার নাম। হস্তী। অশ্ব। রথ। পদাতি।

এক হস্তী, এক রখ, তিন আশ্ব, পঞ্চ পদাতি, এতদ সমুদ্রীর নাম পতি।

ভিন পতির নাম। সেনামুখ।
তিন সেনার্থের নাম। গুলা।
তিন গ্লের নাম। গণ।
তিন গণের নাম। বাহিনী।
তিন বাহিনার নাম। পুতনা।
তিন পুতনার নাম। তমু।
তিন চমূর নাম। অনীকিনী।
দশ অনীকিনীর নাম। অকোহিণী।

অতএব এক অক্ষোহিণীতে ২১৮৭° হস্তী, ২১৮ বংখ, ৬৫৬১০ অশ্ব, ১০৯৬৫০ পদাতি এতদ্ সমুক্ত ২১৮৭০ ।

চতুর্বিধ খাদীজবোর নাম।
চর্বা। চূযা। লেছ। প্রে:।
পঞ্জতুতের নাম।
ক্ষিতি। অপ। তেজঃ। সরুং:। বোম।

शक्ष् विषयात्र नाम। करा तम। शक्ष। स्पूर्ण। सका

# পঞ্চ কর্মেন্সিরের নাম। বাক্। পাণি। পাদ। পায়। উপস্থ।

#### १ १ छ। ति सिरंशत गाम।

5 क्षूर । কর্ন জিল্লা। নাসিকা। স্বক্। এবং মন কান কোন মতে ইজিয়ের সহিত গণ্য হইয়া সমু-ত্য একাদশ ইজিয়ে হয়।

#### शक्ष यटछत्र नाम।

বদ পাঠের াম! এক্সযক্ষ।

গ্রাদি ভর্গণের নাম। পিতৃযক্ষ।

দবপুজার হোমের নাম। দেবযক্ত। > মহাযক্ত।

নত্যপিগুদানের নাম। ভূত্যক্ত।

দতিথি পুজার নাম! সমুধ্যযক্ত।

# शक्षाञ्चलित नाम।

প্রথম অঙ্গুলির নাম। অঙ্গুর্চ কিয়া ইদ্ধাস্থুলি।
ভিতীয় অঙ্গুলির নাম। এদেশিনী কিয়া ভজ্জনী।
ভীয় অঞ্গুলির নাম। মধ্যম।
ভূর্থ অঙ্গুলির নাম। জনামিকা।
পঞ্চম অঙ্গুলির নাম। কনিষ্ঠা।

# 1 60 ]

শর্রিক পঞ্চায়ুর নাম। প্রাণ। অপান। সমান। উদান। ব্যান। পঞ্চগরোর ন'ম। न्धि। इस। लामूब। लामा। युरु। शक्षवादगत् नोगा। সমোহন। উন্নাদন। শোষণ। তাপন। স্তম্ব श्वकाराज्य सीम । শতক। বপাশা। ইরাবভী। চক্রভাগা। বিত প্রুরের নাম। कनक। शीतक। नीलर्भाष। श्रधताश्रमणि। स्खा পঞ্চ মকারের নাম। भागा। भारत। भएक। भूछ। देमधून। পঞ্চবটের নাম। क्रम्थ। रिल्। दरे। शंजी। अत्माक। পঞ্জতেয়ের নাম। थाना। मूका। हिला २७। व्यङ्गर्रश। দিবসের পঞ্চাঙ্গের নাম! ু.বার। তিথি। নক্তর। যোগ। করণ।

## [ b. ]

ভক্ষণীয় প্রশ্নখীর নাম। শশক। শলকী। গোধা। থড়রী। কূর্মা।

পঞ্চ स्गत्मत गाम।

লবক্ত পুষ্প । ককোন। অভঃ। জায়কল। কপুর।

পঞ্চািধ উপাসকের নান।

नाकः। देवस्थतः। देनवः। त्यांवः। भागश्रकः।

इस वद्यस माम।

मध्त। जवन। करूँ। जिल्हा अमा क्वाम।

রাজধড়গুণের শাম।

সন্ধি। বিগ্ৰহ। খান। আসন। ছৈগ: আগ্ৰায়।

হয় খাভুর নাম।

तमस्य धीया नगा नव्य हिम ! भिभिता

ষজ রিপুর নাম।

काम। एकाम। लांछ। स्माह्। यम: बार्वा।

বিশেষ পথছেদের নাম।

গায়ত্রীছন্দ। উবিঃকছন্দ। অনুষ্ঠ, পছন্দ। রুহতী ন্দ। পংক্তিছন্দ। তৃষ্ট, পছন্দ। জগতীছন্দ।

## [ 68 ]

#### मश्च यहत्त्व माम।

नियमि। अवस्त । शक्तितः मेल्जा मधाम रेशवर १९४१मा

#### ज्ञुखीरश्रद नाम।

जंबूणील। माकजील। मानागिषील। कूमबील क्लोकक्षेत्र। त्यारमकषील। शुक्रवषील।

#### भन्धे नमुद्र इत नाग ।

লবণ সমূত্র। ইকু সমূত্র। সুরা সমূত্র। তৃত সমূত্র দ্ধি সমূত্র। তুক সমূত্র। জল সমূত্র।

# **देई मश्रालां कर माग**।

कुर्त्नोक। कुर्रात्नोक। श्रात्नोक। श्रम् लोक। कुर्त्नाक। श्रकातक।

#### कर्षा मश्रातारकत नाम।

অ্তল। বিতল। স্তল। তগাতল। মহাতল রশাসন। পাতাল। এতদ্সসূদ্যে সতুর্দশ ভূবন হঃ

# मश्यिषित माम।

नतीरि। जाँच। जिल्ला। श्रृत्तस्य। श्रृत्तरः। कुंडू दिन्छ।

#### [ 64 ]

#### व्यक्षे लाग्दक्त नाम।

सूर्वन । वजर । ठोल । तम । नीम । काम्यत्नाह । [अटमार । कीक्टनार ।

#### अक्षिक इंटमत स्मा

শৃঙ্গার। বীর। করুণা। অদুত। হাফা। ভরানক। বীভংকা। রৌজ। এবং শংকিরসের সহিত এতদ্বযু-দয়ে নব প্রকার রশ হয়।

वरोनिक् भारतत गाम।

ইক্তঃ বহি। পুডিপতি। নৈথাত। বরণা মক্ত। এবের। ঈশা

अक्टनसूत्र नाम।

্ধর। ধ্রুব। সোম। সাবিত্র। জনিব। জনব। গ্রন্থা প্রভাস।

#### नववर्त्तत नाम।

ভারতবর্ষ। কিন্নরবর্ষ। হরিবর্ষ। কুক্রবর্ষ। হির-থায় বর্ষ। রম্যক বর্ষ। ইলারত বর্ষ। ভদ্রাখ বর্ষ। কেন্তুসালবর্ষ।

नगमिटकत नाम।

भूका अधि। प्रक्रिश देनश्र छ। शक्ति। वाश्रू। উত্তর। ঈশান। अधः। উর্ছ।

# F8 ]

# াজিনার পাঠ।

. 😁 👙 हालक मिरशह कर्दर कर्या ।

তোমরা জনক জনলীৰ প্রতি একলি ভাতি ও শ্রহ করিবে শুক্রি ে শির কিলা লে কোন ক ারিকে আক্রম ভারত তাশাই তথ্য-গাও করি: डिन्डार यमानि कोट विषय जनः स्टाशकिंगर জ্পুসনা কিছ। আজ্না করেঁন তথাপি <del>ভাঁহাদি</del>ে এতি জুর্কাকা কহিবে না ভা**হারা ভোমাদি**ণে জন্মারণি অসহ ব্লেশ বছা করিয়া, এবং লোভস্থ গ্রহয়া তোমাদিগকে লালন পালন করিয়াতে এবং যথা-বিধানাভুক্তমে তোমাদিগকে তা**বং ক্লি** শিক্ষা ক্লাইয়াছেন, আৰু তোমারদিগের আন্তা श्राक्रभाक्तमा प्रकृषा क्रिश्रदाज्ञ निक्छ अधिन। करत ক্রমত পিঠা মাতার **প্রতি সর্ক্র**। কার্মনে াংকা ভক্তি ও শদা করিবে।

কোলে জাতা ও ভাগনী দিগকে সকলা বে কার্ডে আহাদিগের প্রতি কদাচ কটুক্তি কি আছ্মা আর্বে না এবং কোন বিষয় জন্য তাঃ দিগের সহিত কলহ করিবে না, খদাপি তোম দিগের কোন অভিল্যুক্ত দ্রব্য তাহারা গ্রহণ করে ভথাপি ভাষাদিগের প্রতি কোপ করিবে ন। এক ভাষা বল-পূর্বক লওনের চেফা পাইবে না। গুরু লোক এবং বমোজোর্ছ বাক্তিদিগকে দেখিয়া সমা-দর ও মানা করিবে এবং জাজীয় ও প্রতিবাসী এবং বন্ধুবর্গের সহিত কদাচ বিবাদ করিবে না, সকলের প্রতি প্রীতি রাখিবে, ভাষা ইইলে স্ক্র-জনের প্রিয় পাত্র হইবে।

যে বিষয়ে ভোমাদিগের কোন সম্পর্ক না থাকে
চাহাতে ক্দাত কিন্ চইতে না, পন এবার প্রতি
কথনো লোভ করিবে না এবং কাহারও এবা অনুমতি
ব্যুতিরেকে স্পশ করিবে না, এবং আপন ইক্ছাতে
সনোর একটি সামানা এবাও গ্রহণ করিবে না।

ভোমরা মিথা কহিবে না, কারণ অনৃত
থনে ইংলোকে অপমান ও পরলোকে ক্লেম
।ইতে হয় অত্এব সর্বদা সত্য কহিবে, যে কোন
বিষয় প্রস্তাব বর্ণন করিবে তাহা যথার্থ
পে বলিবে এবং যে রূপ শুবণ করিয়াছ তদম্বারী বলিবে স্বারোপিত বিষয় কদাচ কহিবে না।
তোমরা কোন বিষয় স্বীকৃত হওনের পুর্বের উত্তম
পে বিবেচনা করিবে যে আমরা এ বিষয় নিপা
।

দন করিতে পারিব কি না তবে প্রতিশ্রুত হইবে থেহেতু স্বীকাব করিয়া পশ্চাতে প্রতিপালন করিছে না পারিলে মিখ্যাবাদী হইবে ক্থম কোমাদিণের গান্যে প্রায় কেহ বিশ্বাস কবিবে না।

যদাপি তোমর। কোন গর্নিত কর্ন কর তথানি জিজ্ঞাসা করিলে অস্বীকার ঘাইবে না, কারণ কর বাদীকে কেই অপমান ও অশ্রদ্ধা করেন না এবং শা স্ত্রোতেও ক্ষিত আছে যে সত্যের সমান আর প্র নাই গবং গত্য হইতে প্রকৃষ্ঠ বস্ত আর কিছুই নাই।

তোমর। সর্কাল স্থাল ও শান্ত চইবে কাহাকে:
প্রথম বাকা প্রয়োগ করিবে না, কারণ ছঃশীল ।
কাটভাষী বাজিরা কথন কাহারও প্রিয়ভাজন হ
না। যদাপি ভোমরা কোন আর্থিত তব্য না পাও
ভারিমিত্তে কাহাকেও বিরক্ত কিয়া কাহারও প্রতিক্রাধ করিবে না।

তামনা বৃদ্ধ ও বিকলান্ত কিয়া ব্যাধিগ্রন্থ ব্যক্তিত বাজিত বাজিয় কথনো উপহাস করিবে না, এবং কোলাজির ছাখ দেখিয়া আহলাদিত হইবে না, বর ভাহাদিগের ছাখ মোচন জন্য তোমাদিগের পিড কাছাকে কহিবে। তোমরা জীড়ামোদে মন্ত হইঃ

নিষ্ঠুর বালকদিগের নাগি পশু পশ্দি কীট পত জাদি হত্যা ক্রিবে না, এবং তাহাদিগকে কোন একারে যাতনা দিবে না।

তেমের। কথন গুশারিত্র ও অসং বালক্দিগের সহিত আলাপ করিবে না যদি তাহাদিখেব শহিত সংসাস কর তবে সেইত্রপ তোমাদিগেরও ব্যবহার হইবে, এবং সকল লোক তোমাদিগকে অনাদর করিবে।

তোমরা শিক্ষাঞ্জর প্রতি সর্মদা ভক্তি রাথিবে তিনি যে ৰূপ আজা করিবেন সেই ৰূপ করিবে এবং বিদ্যাভ্যাসের নিমিন্ত অভিশয় শ্রম করিবে প্রত্যহ নিয়মিত কালে পাঠশালায় যাইবে সে ছানে বালকদিগের সহিত কলহ কিয়া বিবাদ করিবে না মনোযোগ পূর্মক এক স্থানে বসিয়া পাঠাভ্যাস করিবে।

তোমর। গুরুলোকদিগের নিকট কথন চাপল্য প্রকাশ করিবে না সর্বদা বিনীত থাকিবে এবং তাঁহারা যে যে গ্রন্থ অধ্যয়ন করিতে আদেশ করেন তাহাই,অভাাস করিবে।

# [ 150]

# ্মকার্থ শ্রাবলি।

প্রংশ	<b>まかり</b>	আৰত	স্কৃত্য ।
কেং i.		ংসিত	কৃষ্ণবৰ্ণ
<b>ज</b> ्		অশ্ অস	ध्याष्ट्रेक। निर्धन।
জনিশ	गर्वमा ।	অশাম্য	अ∗मनीयः
জনীশ	जन्मी ।	অস্থাম্য	अक्षिक्।
প্ৰনিষ্ঠ	সন্দ ।	আ <u>ৰু</u>	জ্ <i>দা।</i>
ক্ষিত্ৰ	অ <b>ন্থে</b> শণ করা ।	আজু	অবেতন।
.स. १५ कि	কৃণিগত।	আপুণ	পণ্য <b>বীথী।</b>
	লৈম্বীন।	আপুণন	স্থীয়।
कार्यास	অনৈক্য।	আভাব	ভূমিকা।
अस्त्री	দেশবিশেষ।	আভাব	সদৃশ।
্লগরিয	ভাজনাথোলা।	জাশন	হৃক্ষবিশেষ।
<b>অম্</b> রীয	বিষ্ণুর নাম।	জাসন	বসিবারস্থান
अन्त	ভোজন।	আশা .	আকাজন।
ज्ञामन	হক্ষ বিশেষ।	আসা ·	আগমন।

. ﴿ ا أَ فَعَ ا			
আশী	ভোক্তা,অহিদন্ত	ঋত	সর্ভা।
আসি	গমন করি।	রীত	ব্যবহার।
<u> ৰাখ</u>	অশ্নীয়।	করি	কর্ম করি।
আঞ	मुर्थ ।	করী করী	<b>रखो</b> ।
2112			
ভাত্ৰব	অঙ্গীকার।	কৰ্মণি	<b>त्र्रम्हली</b> ।
আ প্ৰব	(Bri)	কৰ্মণী	कृष्कित्यम् ।
আছতি	হোম।	কশা	কোড়া।
আহতি	निमञ्जल।	<b>ক</b> ৰা	কটুরস, রূপণ।
<b>ইতি</b>	मगालि।	কশেক	(सङ्ग्रह ।
केलि	উপদ্ৰব বিশেষ।	কদের	কেশুর।
<b>हे</b> व	আখিনমাস।	ক্ষ	ক্ষিপাধর।
<b>क्रम</b>	यश्राप्त ।	ক্স	মুখেরপ্রান্তভাগ
উৎকৃট	हिट, इ <b>ट्र</b> श नयन।	কশ্ব	অশ্বের মধ্যভাগ
<b>उ</b> ९कृष्ठे	<b>इ</b> ज	ক্ষ	কাহার।
উক্ল	বিশাল।	কণ	स्का।
উরু	উরৎ।	কণ	नेका।
		-	
ঝণ	कर्णाः !	_	घडे कलमी।
রীণ	করিত জলাদি।	কাভারী	অক্তাৰশেষ।

	. [ %.0	}	•
काति	কিয়া।	कू <b>जन</b>	মন্দ ব্যক্তি।
काडी	বৃশ্ববিশেষ।	कृजन	পক্ষির <b>ধ্</b> নি।
কাৰ্শ্য	की वन्। । में	কুণি	ভুঁতগাছ।
কাৰ্য্য	भावतृकः।	কুণী	নথকুণী।
কাৰি	কামদেব।	কুল	बश्य।
কাৰণী	শতাবরীলভা।	কুল	नमीजीत्।
কাশ্বলি		कूलि	হন্দু।
কাশ্বলী		कूली	কন্টকারিয়ক।
ক†শ	ভূণভেদ।	কুলবতী	स्नीलाजी।
ভাগ	রোগবিশেষ।	কুলবতী	नमी।
ক্রিবাজি		খাটি	<b>४</b> के।
'কিরা <b>তী</b>		খাটী	<b>७क</b> ।
কিরিটি	हिस्नाम कल।	धूर	শক।
কিরিটী	अनुन।	<b>क्</b> रु	নাপিতাক্সভে
किन	নিশ্চিত।	<b>थ्</b> यन	কাশন। [করণ
कीन	শক্ষু।	<b>थ्</b> मन	শন্তপরিস্কার
कू किल	প্ৰি <b>ৰিশেৰ</b> ৷	शिष	नगावित्नव।
कू कील	পৰ্মত ৷	भगी	विकृ।

# [ & ]

গবাখ্য	গোনামক।	क्त्री	কীৰ।
গবাক	বাতায়ন।	षत्री	সংকোগ্যুক্ত।
ঘৰি	ঘর্ষণ করি।	<b>জ</b> ড়	भूक ।
ঘনি	ভোজন।	যড়	मक्षिण ।
চাৰ	क्षिकर्यः।	<b>बडू</b> क	হিন্ধু।[বিশেষ।
চাস	शिकवित्सयः।	राजुक	শরীরের চিঙ্গ
চির	नङ्कानः।	खव	(वर्ग।
হীর	कौर्ववञ्चयःसः।	य <b>व</b>	एकथाना।
হুন্ত	প্রী চিহু।	জবন	তেগযুক্ত অশ্ব।
চূক	অন্তক্ল।	যবন	মেচ্ছ লাতি।
<b>হ</b> ড়ী	গ্স্তাভরণবিশেষ	জাচন	জারসন্ধান।
হরি	তক্ষবকৃত্তি।	যাচন	তিক্ষা করণ।
হূপ	नित्रव।	জাতি	वर्र, कूल।
হাপ	वमन।	যাতি	शस्त्र।
जनि	উৎপত্তि।	জাতি	कूल।
जनी	नौमस्तिनी।	জাতী	शुळाविदगर।
अत्रः	रिश्क।	জাত	জন্মবিশিষ্ট।
अत्रन	इक्ष।	হাত	গত।

क्यांहिं। AN M 550 বানণ। Awl 191 इनिह्न । 7,13 **अश्यादित्यर** कूहकी। 饮竹科 छेट्रकाशन । मुन 1-4-2 द्वारा । जार्गा। निम ভাপন নিরসন। मात्रा ক্রণবোধার্থ দ্বারা क्लाहरून। र्पश्च विमात्क। माति नश्चकता : 15 B নাভিচার কিয় म् र अर्त । 21420 मारि विमातक। উপপতি। Fta हारी দ্বারপাল। যাহার। and. लंखा। म रेक्ट्र जाकर। ंश्राम मानव । मंख , राम्न व्य ज्ञा দিবস ! मिन क्षां श्रम् । 15 THE क्रुशी। **मीन** াকড়। S. Mil किथन। जुम-जूष धानाइक्। कुन পথ और । मू ा हर् ত্মাননা। क्रम् । প্ৰান্ত! (FM) ত্ব क्श्म। (AS. क्या।

ا وه ا					
দেশ্র	নেশীয়।	निमान	বাংব।		
ছেম্য	শতঃ।	नियान	স্বর্থিকের।		
দুতী	গৈত্যকন্দ্ৰে নি-	্রা <b>ঞ্জি</b>	পাইছ।		
হুৰ্ণত	কিবণ L যু জান্ত্ৰী	শঞ্জী	প্ৰিকা		
ূণ্ড	গর্জাবং।	প্রি	উপসর্গবিশেষ		
শুভ	পার্ক্টি	প্রী	দেবযোগি।		
मित्	श्कार्गिममानिक्।	প <b>ৰুষ</b>	निर्धुत तकः।		
षिक्	असः	পৰুং	कनिदमय।		
দ্বিপ্	হস্কী।[ফ্রীতস্মান	_	প্ৰভূ।		
দ্বীপ	চতুর্দ্দিকেজল।ব-		গ্ৰহনশীল।		
ধনী	धसत्तेस ∤	পিশী	জটামাংনী।		
ধ্বনি	अक्षा	পিশী	পিতৃপ্ৰা।		
ત્રના	শ্নতকর্মা।	পিত;	জনক।		
તસ્	ধনুক।	পীতা	হরি <b>দ্রা</b> ।		
নাশ	ध्वश्यः ।	পুর	গৃহ।		
নাস	सम्बद्धाः	পুরঃ	অগ্ৰহঃ।		
रूगन	তৰ্ক।	পুতিক	विष्ठी।		
रूगन	উন ।	পুতীক	शुक्रमार्कात		

পুন:	দ্বিচীয়বার।	বারি	জন। (র <b>জ্</b> ।
পুন	ন <b>য</b> ়।	বারী	হন্তিবন্ধনার্থ
	कीशस्त्र ।	বারিশ	बिकु।
	जादिश्रगी ।	বারীশ	ममूक।
প্ৰক্ৰিয়	पूर।	বারুণি	मृतिद्दाः ।
প্ৰক্ৰিয়	विश्वस्तु।	বারুণী	मन्द्रिः ।
প্রভাগ	করুবিশেষ।	বানদি	पुष्ट्।
	তীথবিশেষ।	বানদী	यासक्यूषिः।
প্রশ্ব	প্রপর দিবস।	বিপণি	ह्हें।
প্রস্থ	প্রধন।	বিপণী	वर्षिक।
ব্যক্তি	মিখ্যাবাদী।	বিনাশ	ধ্বংস।
বক্তী	বাঁকা।	বিনাশ	গ্ৰহণাসিক।
লণ্	भवा ।	বিশ	সংখ্যাবিশেষ।
<b>লন</b>	ख्रुवन्तः	বিব	গরুল।
বৃদ্ধি	বশ্বতা।	বিশ	मःशाहित्मव
বৃদ্ধী	জিতেন্দ্রিয়।	বিফ	श्रीन।
বামণ	ভাকাণ।	विश्वम	নিৰ্দাল।
বামন	ধ্যা	-विश्वम	বিষদাতা।

# [ se ]

1 26						
विधि	ব্ৰদা।	ভাষণ	কথন।			
विधी	বিশিকবুদ্ধি।	ভাষন	জন্মভাস।			
বিনা	বাভিরেক।	ভাশুর	পতিরক্যেষ্ঠভাত।			
বীণা	বাভখন্তবিশেষ	ভাশু <b>র</b>	দীপ্তিযুক্ত।			
বু <sup>হত</sup>	পাঁচকাঞা।	जाग	কথ্য, গ্ৰন্থ বিশেষ			
বু <b>ড়ী</b>	রক্ষাসা	जोग	প্ৰকাশ্ব।			
বুলি	खे <sup>न</sup> छहे।	खाँग	ভ্ৰমণ।			
বুলী	जोगा।	स्यो	ভ্ৰমবিশিষ্ট।			
কুশ	म् <b>बिरू '</b>	भनः	চল্লিশসের।			
রুষ	प्रशः	मनः	অন্তঃকরও।			
	প্রকতবিশেষ।	মতি	বুদ্ধি।			
	ভীর্থবিশেষ।	মতী	পক্ষপাতী।			
ব্যশ্ন	বিগ্তাশন	মহিল	পশুবিশেষ।			
<sub>ks</sub> বাস্ন	ভুলে:	মহীশ	ভূপতি : -			
ভঙি	তর্জ।	মালি	রাক্ষসবিশেষ।			
ভঙী	শির্বীষর্ক।	মালী	ফালাকাব।			
<b>७</b> वन	কুকুরেরশন।	মাৰ,	कलाई विटमंग ।			
स्थान	জমর।	মাস	मारु, माःत्र ।			

মিল	ज्ञान्य ।	<b>30</b> 19	कलान्।
भौल	कानन।	সং	উপদর্গবিশেষ।
मुख्या भूगता	ंशन्। क्छनीन्छ।	শ্কট নকট	নাড়ী। শা <b>ও</b> ড়াগাছ।
্বে†ছি	नीज ।	শ্কল	ने खा
ঝেছী	र्षेत्रक ।	স্কল	मर्क्ट ।
लवः:	কারে :	* 3	F. 1
तरम	्छ स्म।	সক্ত	कः भटा
লসিকা	न्त ।	শক্ত	विकी।
লসীকা	हेक्त्रा।	স্কৃৎ	একবার।
শ্করি	द्रव ।	শঙ্গর	भश्दित।
*শক্ষরী	ছন্দে!বিশেষ।	সন্ধর	বর্ণসঙ্গরজাতি।
myte.	शानाविद्याम ।	শ্ব	শাপ্রস্থ ।
भगती ।	ভাষ্যারভগিনী	म श	সংখ্যাবিশেষ
- 4/14/	थानगानित्रगीर्घ सू <b>थनक</b> विटनम		मृज्यम् । गर्कः !
শূধ্ শূধ্	বুদ্ধি। কুৎসিত।	শবর সুবর	মেচ্ছাতি। • স্বিল।

			*** · ·
াবল	ভস্মবণ	শাক	লতার্ক্ষ্ বিশেষ।
বেল	বলবান	শাক	লতারক্ষবিশেষ। গহিত্য
ন্ম	(माक्)।	শাখা	नार्था मस्कीय।
াম্	जर्भन ।	मार्थ)	বন্ধুপ্র।
a <b>3</b> 7564	শান্তি, খাইডা	भाषे	বন্ত্রবিশেষ।
•	व्हित्काः	माह	সংগত।।
ine,	1,264,251,3	7/11/2	ग-गड़ा,
শ্মির	শ্ৰীৰুগাই!	* the	सूर्य, कृत्
<b>সমির</b>	दाम् :	<b>স</b> ়ত	मश्था विस्था
**	4		
শশীক	মুনি বিশেষ।	36 1 el	भागभाष्य ।
সমীক	युक्त ।	সান	देएल्बा।
न त	474 _	नान	অভিসম্প†ত।
সর	भरत्र दित् ।	मान	मर्भ ।
a empe	ব্ৰহ্মণ (	শামনী	मिक्शिन्त् ।
শ্রণ		,	•
সর্ণ	গ্ৰন ৷	<b>माय</b> नी	शक्ष <b>ना</b> र्थ तृ <b>ञ्</b>
শ্রা	শরাব।	শিত	कुर्वन ।
সরা	নিক্ব।	<b>পিত</b>	শুকুবর্ণ :
1361	14.4.4.1	140	(A) (A)
শ্বৰ	শিব।	শির	শিরা।
नर्क	मकल।	সীর	प्रशा !
. •	[ वा		
	į <b>4</b>	1	

# 

भीन	অজাগরসর্প।	<b>শ্র</b> বণ	কর্ণ।
जिन	শুকুগুণনিশিষ্ট।	শ্রবণ	ক্ষরণ।
শীতাঙ্গ	শীতলঅঙ্গ।	শ্বগণ	কুকুর সমূহ :
সিহাঙ্গ	শ্বেতরে:হিতমৎস্থ	স্বগণ	আখীয়বন্ধ !
শূক	স্ফাপোক।।	শার	শান্তিযুক্ত।
সূক	বাণ, বায়।	স্বান্ত	সমঃ।
শুকু	মাংগ।	শ্বান	কুকর।
মূকু	বেশেক <b>ন্তোত্ত</b> ।	স্থান	শুক্র
भूकत	পশ্বনৈষ।	मल	कुर्।
स्कृत	নুসাধ্য।	मन्	(नगवित्गर
wife	एक ।	গিতা	র্করা।
	मुक	শীতা	এরামপ্রা
শূম	क्रूल्।	रू	त्रुल।
শূম	कीत्र,जन।	मूक	नाराभः।
का वी	কুকুর।	মুতী	श्रृक्षवान ।
'स्बी	ব্যাধ।	মুতি	जनन ।
শোণা	শোণবর্ণ।	মুতা	कन्ता।
সোণা	স্বর্ণ।	মুতা	स्व।

# [ 66 ]

# ভাষার এক প্রদৈশিক সঙ্কেত।

		कर्	मामनः माथिल।
আ	আসামী। ইস্তক		_
<b>₹</b> ?	हेतां की विमानी,	मिश	मिश्रत्। .
উং	উমুক্ত উত্তর।	নং	নগদ, নমুর।
&c	ওয়াসিল। [কস্তী	210	প্রগণা। পশ্চম।
130;	ক্রিসমত-কিন্তীবন্দী	ो सूर 	श्राम्छ।
কৈণ	रेकिकियर ।	পুং	शूर्कि मिक।
গ্ৰাঞ্জ,	भक्तिशिवाति ।	rito	পाईक।
<b>જ</b> :	গুজবত।	Cura	दशयोग।
<b>छ</b> ९	চলিত।	Sho	<b>图</b>
०त्रें,	हट्छा भागाश ।	ফাং	ফার্জিল।
otc.	हानान् होक्त ।	टेकः	कतिशामी।
চিং	किंग्री।	বং	বকলম, বরাবর।
अग्र	জামিন, জানিব।	বন্দ্য	वत्काशिशाश
জিং	জিশ্বা; জিনিস।	বাং	वोक्रांनाः वावारः
優く	क्यूल।	বিং	বিতং বিমঞ্জিম।
(खर	्कल् ।	৻বং	द्वित्रिन ।
<b>ত</b> ং	তরক; তফসীল।	মং	মপ্তল; মবলগ।
তাং	তারিখঃ তালুক।	মাং	মারকতঃমাস্থলঃমাহ
<del>ए</del> ९	मङ्गणः मक्तिनः मूत् ।	মুখ	মুৰ্ব্যোপাধ্যায়।

### [ >.0 ]

মোং মোকাম। সং সংজ্ঞমা।
মোং মৌজা। সাং সাকিন্ সাকী।
থোং যোতঃ যোড়া। হাং হাওয়ালাত।
লাং লাগাএৎ। হিং হিসাবঃ হিস্সা।

### क कात (उम।

জগন্নাথ জগনীশ জয় জনদিন।
জাতির্ময় জগন্ময় জন্ম জীবন।।
জনক জননী জন্ম জাহুবী জয়ন।
জীগ জর জালা জন্তা জব জরা জন।।
জয়ন্ত জরামু জ্বা জনুক জণ্ণন।
জীবিকা জিগীয়া জোধুনা জলদ জন্তন।
জায়া জিহুৱা জলোকস জল জাগরণ।
জীবক জমীর জার জাম জা। জন্দণ।
জাপা জড় জাতীকল জয়ন্তী সমন।
জনতা জক্তর জাতি জন্ম জবন।
জনতা জক্তর জাতি জন্ম জবন।
জনতা জক্তর জাতুক জন্ম জনা জপন।
জবন জিহুলায়া জনা, জার্জ জিহুন।।

জাষ্ঠ জোতিয জাসাল ক্র**জন** জামাতা সঠর ভৈন জালিক জাপন।। जीमूल खनारमकर करें। करें। जुड़े। বৰ্ণ জকারাদি শব্দ ভাষা কৃতস্ফুট।।

পরাক্ষ উদ্বেজন উপার্জন कूछन कुछन त्रक्रम। বাজন রাঞ্জন তাজন ভাজন: द्रक्रमी राकीत उक्कमी ठक्कम। পজনা রঞ্জন সজুন গজন। তেজন নথেন বছক ুক্তন। मञ्जून वंध्या कच्छन सञ्जन ্রজত কিঞ্জক খর্জুর খঞ্জ ገ ধনঞ্য মৃত্যুঞ্জয় বিস্ত ন विकश्र कृष्ट श अकर गांक न। অজগর পঞ্জর ধুর্জটি ভঞ্জন। যোজন মজ্জন ভর্জন গঞ্জন।। পারিজাত য**জ্মান নিয়ে**।জন। শব্দমধ্য স্থিত জ ক্লত বৰ্ণন !!

পুজা পুজ। রাজা রাজ। ভুজ বাজী গক। ভোজা विक मुक्षा निक लक्का अका तकः॥

## [ ]

বিজ বজা তৈজঃ বীজ মজা থঞা কুজ। বজা রাজ বিভঞ্জ কালত সজ্জ অন্ত।। আআজ শৈলজ কুজ সরোজ পঙ্কজ। কুঞা পুঞা রঞ্জাদয় পদান্ত বর্গজ।।

वकात (उम ।

গ্ৰ প্ৰ প্ৰ মুৰ মাৰ মোৰ শাৰ। পক্ষণ কন্ধণ কিণ বেণু কোণ কাণ। কল্যাণ টঙ্কণ এণ ভণ ত্রণ তূণ ধ ি চিক্কণ আপণ অণু মৃড়ঙ্কণ হুণ।। নিপুণ মৎকুণ স্থৃ সিঙ্বাণ লবণ। উল্ণ সিংহাণ কণ নিকাণ স্কণ।। অঙ্গণ নিৰুণ লোণ কণু কিণু পণ্য! . ঘোণা বেণী কণা কুনি কিন্ধিণী লাবণ্য স্থাণু বাণী চিকণী বিপণি চিন্তামণি । পাণি বীণা ভূণী কণী কুবেণী কফোণি পিণাক কৌণপ মণিমগুপ চণক। শোণিত কুণপ পাণ চাণুর আণক।। গগণ কাৰ্ত্তণ আদি কভিপর। মতান্তরে দক্ত ন জানিবেক বিশ্বর।।

### £ .200 ]

#### শকার ভেন্দ

শিব শুভ শভু শুঙ্ক শঙ্কর শবর। 🗀 🦈 শিলা শিলী শুল্ফ শুক্তি শলাক শন্বর।। শশান্ধ শতিংশু শশী শর পুর শীর ! শিশির শর্করা শীধু শেখন শরীর।। শোচিঃ শুচি শুদ্ধ শিষ্ট শোভা **শোভাঞ্জন**। শাস্ত্র শত্ত শেক শালুর শাসন।। শান্ত শান শাৰ্ক শভ শিত শ্বেত শুক্র। ল্লখ লেন লপ্ত প্ৰয়পু লক্ষ্ণ শক্ত ॥ ननाष्ट्र मन्त्र नाही लुकी माठे मना। শাখা শিখা । भर्षी শঙ্ক শিখণ্ড শাণ্ডিলা। শোক শৈব শেকালিক। শকর শালুক। শুক শুন শাক শাকা শক্ট শমুক।। শমন শরভ শুভ শুভ শালি শুনা। লাঘা শীষ শিগু শিশু শ্বশুর শরণা।। শামল শাভল শৈল শকল শাৰ্দ্ল। শকুল শিথিল শীল শেল শক্তি সূল !! শক্ত শক্তা শিক্ষা শারক শ্রং। খ্ত শাদ শটত শিতি শ্লীপদ শরৎ।। भरेनः भीर्ग त्यांग भया। भिक्षा भिका भनि। শাষ শিষ শশ্পা ক্লিত্ৰ শকুন্তি শকুনি॥

मिलान विस्ति भान रेंग्यान जीकत। শ্ম শ্মী শাশ্রু শ্বন্ত মাশ্ম শীকর।! , भेर एक शाम पूर्व शानक भवत। गायं भिलीक भी भर्तना गरन। আতি অম তেয়ে তেন তাদা তাদি তেনী। শুকর শুগাল শৃঙ্গ শ্লোক শৃণি শ্রোণী । অপিতা আবণ আতে খবণ শৃহার : শব্দ আছো ভাষা পছে তালক শকার।। কেশ্ন ক্রাপ ক্রার আত্রা। অশোক কৌশিক দশন আশ্রা কুশল কশাল আশাস নিশ্চর। हेनीत काचीत विश्वाम मध्यस्य। নিশিত পিশিত কলের দশন। বিশাখ নিশীথ বিংশতি দংশন।। লশুন আশ্বিন কিশোর উশন। অনুশয় অঞ অখ্য অশন।। পিশাচ পিশঙ্গ প্রশ্ন বিশ্ব অশ্ম। অবশ্য অশনি রশ্মি পশু বেশা। অশেষ বিদোক কশিপু বশতঃ। जालका में "मर्था जनग्रीम जखकः॥, কেশ বেশ ক্লেশ লেশ বিনাশ হতাপ।

সংস্থা জকুংশ কাশী দংশ কংশ পাঁশ।।
প্রবেশ কাকোশ কোশ নিবেশ আকাশ।

দশ যশঃ নিশি নিশা কর্ম প্রকাশ।।

ইশ দিশ আশা নাশি কুল আশু কাশ।
প্রাশ সদশ কর্ম জকুশ সকাশ।।
বিভিন্ন অনিশ বশ গণেশ লোমশ।
নাশ দেশ অনেকশ হংশু অংশ নাশ।

### सकाद (अम ।

যুদ্ধনা হকারাদান্তে লিখিত সুস্পাই।

ইণী যাও মাই কৈ ঠ অন্টাদ্দা নৰ্ক।।

বিভীষণ লীবণ ভূষণ বিশেষণ।

পুদ্ধর নিষেধ ছুংগ গোম্পদ ঘোষণ।।

বিষাদ প্রথধ পুন্প ভাষণ ভূমর।

দূষণ দূষীন্ত দূৰৎ শাস্প উষাকর।।

গবেষিক ঠেমী পৌষ ভূমন্ত পাষাণ।।

বাছ্যিক মৃষিক ক্ষীক অভিষেক।

চৰক পোষক বাৰ প্রভাষ নিষেক।।

্ৰীরে ভেষক মৃধা বিষণি পোষণ। क्षा ह त्यासिक रिक्स निम्त कार्यभा। বিশিষ্ঠ ভাষির মুখ্য বিশুও র শুল। ঐন্ম সর্হা অভিধঙ্গিন বিষম।। নিয়ঞ্জ নিলাণ ভাষা প্রেমা শিষা জীয়। निस्थ पृथित। ७७ छम वर्ष होगा। फेर्लिय कर्तीय वर्ष भ्या अपनी । अमन भूदीम विभ कनूम किन्य।। श्राप्त भूकृष पूष युष अय तृष। ् भीयूष शक्ष्य भूषक सुर्वे, इति । क्बाह अटमाय अन्य द्वांय त्माय उर्व। क्रम वर्षा (तम लिय भाष किनि कर्ष। . कय कर्ष राभुवी विस्तृय विष (६५। মহিষ শিরীষ প্রেষ্ঠ পরুষ প্লেমা সেষ।। देश हरा निक्यां खश्रुम नीर्य सुरा। हेन काजिनाव अर्था (याया ज्या जांगा।।

স্কার ভেদ। স্ক্জ সচিদানন্দ সহায় সম্প্রতি। স্মাসক সংক্ষেপ সমাচার স্মতি।।

नम्या नेपूज निक्ति नम्ह स्पात। ज्ञा नदा त्रदा नर्त नम नना नद्र॥ সীতা স্থিত দিত স্রোত গারস্বত গরল। मांच भाग नक्ष्य नीय महिद मकल।। সভা সভ্, সিক্ত সন্তি বর সচি স্বান্ত। সুধা সাব সের ্মব সরজ সীমস্ত। ममा जोड़ राम महाः मश्रमि खण्यमा। चाक् व नमक वर्ग मक्ष मनन। সৃণি স্থৃচি হত্তে সৌরি সহজ্ঞ সমর। ममन्द्र महानि स्रोमी समीद माधूत ।। সরীমূপ সপী সর্প স্থ্ সার। মূর মূর্য্য সতা। স্বন্ধু সংঘ্য সংসার।। ্সন্ধি সক্ষা স্বাহা সিকু সমীরণ স্থাস 🖯 নাধ্বন সময় নাথ সচিব নমাস।। সাহ বৃহ দামঞ্জ সীসক সারস।। সন্ধুল সংবাদ আহক্ সরট সরস !! ननिन रेगक्तर मान माह्रमी मध्र । सूत्री स्का लोगा नामा नाकी अस्पत ।। সতী সত্য সিংহ মুখ সবিত। সেবক। गांधू मधं जनक ज़क मुज गांसक।।

मन्द्रकृत्मात रूष क्रवर्ग स्व मह। স্থা সাধ স্থর স্থাপ স্থতিকা নদেস্।। বিক্সিত ব্যবস্তি প্রসার কাসার। প্রসিক্ত বিসর ধুসর পরিসর 🖽 প্রদাদ ভাস্তর আকন্মিক বিবিৎসব। खारमत तरू देवत व्यक्त आगर ॥ कुरू य वद्भा डिन्ट्र का वा वा वा লোসৰ মসুণ বসু মসুর অঞ্সর।। ষ্ট্ৰান কিংহাসন অমাবভা বাসক। 'অসময়' বাৎস্থায়ন রাস্ত প্রসন্ধ। 🕆 ্বৈদাৰ বসস্ত অনস্থা প্ৰবাস। কিসলয় পরাসর বাসর উল্লোস।। ুর্চু বুলুংকু কোমুম আস ত্রাস হাস ভাস। विशाम दिलाम मान करनाम गान॥ তমিত্র সভ্ত মৃৎস্না হ্র আখা হাত। প্রশন্ত বাসর ক্রম জ্যোৎয়া সন্মোপাক रीज्यन मित्रम यम महाबीक दक्षम। गःरक्रांभ दर्भिक ज्ञकातामि भन्न रखन शिक अधीम श्रीताक्ष्मः।